

भारत-न्यूजीलैंड FTA लागू, कारोबार को मिलेगी नई रफ्तार

संवाददाता
नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (FTA) 20 अक्टूबर 2026 से लागू हो गया है। इस समझौते से दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्जन ने इस मौके पर खुशी जताते हुए कहा कि अब न्यूजीलैंड के कारोबारियों और कंपनियों को भारत के विशाल बाजार तक पहुंच बनाने के नए अवसर मिलेंगे। लक्जन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा संदेश में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर इस समझौते को आगे बढ़ाया है। उनके मुताबिक, इससे न्यूजीलैंड की कंपनियों को कम शुल्क पर अपने उत्पाद भारतीय बाजार में बेचने, कारोबार का विस्तार करने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने में मदद मिल सकती है। भारत सरकार के अनुसार, इस समझौते के तहत न्यूजीलैंड के बाजार में भारत के सभी उत्पादों को पहले दिन से शून्य शुल्क पर पहुंच मिलेगी। इससे भारतीय कपड़ा, रेडीमेड गारमेंट्स, चमड़ा, जूते-



चप्पल, इंजीनियरिंग सामान और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों के निर्यातकों को लाभ मिलने की संभावना है। शुल्क में कमी से भारतीय उत्पादों की कीमत प्रतिस्पर्धी हो सकती है। इससे छोटे और मध्यम उद्योगों, कारीगरों तथा निर्यात से जुड़े कारोबारियों को भी नए ग्राहकों तक पहुंचने का अवसर मिल सकता है। हालांकि, वास्तविक लाभ उत्पादों की मांग, गुणवत्ता और बाजार में प्रतिस्पर्धा पर निर्भर करेगा। यह समझौता केवल वस्तुओं की खरीद-बिक्री तक सीमित नहीं है। भारत को न्यूजीलैंड में 118 सेवा क्षेत्रों और उप-क्षेत्रों में बाजार पहुंच संबंधी प्रतिबद्धताएं मिली हैं। इसके अलावा, 139 उप-क्षेत्रों में सर्वाधिक अनुकूल राष्ट्र (MFN) से जुड़ी प्रतिबद्धताएं भी शामिल

हैं। इससे आईटी, पेशेवर सेवाओं, दूरसंचार, शिक्षा, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। समझौते में विद्यार्थियों और पेशेवरों की आवाजाही से जुड़े प्रावधान भी शामिल हैं। इससे योग्य भारतीय युवाओं को अध्ययन के बाद काम करने और कुछ निर्धारित श्रेणियों में रोजगार के अवसर तलाशने में मदद मिल सकती है। हालांकि, संबंधित वीजा और पात्रता नियमों का पालन करना जरूरी होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच इस समझौते का एक अहम उद्देश्य व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना है। न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश को सुगम बनाने की प्रतिबद्धता जताई है। इससे विनिर्माण,

सरनाईक का बड़ा बयान: 'संख्या बढ़ाकर एकनाथ शिंदे को फिर बनाएंगे मुख्यमंत्री'

संवाददाता
मुंबई। मुंबई के नेस्को सेंटर में शिवसेना (एकनाथ शिंदे) के दशहरा सम्मेलन से पहले परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने एकनाथ शिंदे को दोबारा महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनाने की इच्छा जताई है। सरनाईक ने कहा कि पार्टी के सामान्य शिवसैनिक से लेकर नेताओं तक सभी की इच्छा है कि शिंदे फिर मुख्यमंत्री बनें, लेकिन इसके लिए विधानसभा में पर्याप्त संख्याबल होना जरूरी है। मीडिया से बातचीत में सरनाईक ने कहा कि फिलहाल पर्याप्त संख्याबल नहीं होने के कारण एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री हैं। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी अपनी संख्या बढ़ाकर शिंदे को फिर मुख्यमंत्री बनाने का प्रयास करेगी। यह बयान दशहरा सम्मेलन

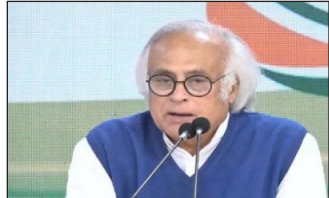


से ठीक पहले आया है। सरनाईक ने कहा कि यह केवल उनकी व्यक्तिगत इच्छा नहीं, बल्कि पार्टी के अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं की भी भावना है। हालांकि मुख्यमंत्री पद का फैसला चुनावी नतीजों, गठबंधन के संख्याबल और राजनीतिक सहमति पर निर्भर करता है। इस बीच विधान परिषद के उपसभापति सचिन अहिर ने सरनाईक के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एकनाथ शिंदे को

मुख्यमंत्री बनने के लिए भविष्य के संख्याबल का इंतजार करने की जरूरत नहीं है और वे मौजूदा परिस्थितियों में भी मुख्यमंत्री हो सकते हैं। शिंदे गुट के नेताओं के इन बयानों से दशहरा सम्मेलन के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। हालांकि राज्य सरकार या महायुक्ति की ओर से नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है।

कांग्रेस ने परिसीमन पर रिजिजू के जवाबी पत्र पर उठाए सवाल, सर्वदलीय बैठक की मांग दोहराई

संवाददाता
नई दिल्ली। कांग्रेस ने पार्टी अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के परिसीमन के मुद्दे पर 16 अक्टूबर को प्रधानमंत्री को लिखे पत्र के जवाब में संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू के पत्र पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने कहा कि रिजिजू ने अपने जवाब में इसी साल मार्च में परिसीमन पर कुछ



राजनीतिक दलों के साथ गृहमंत्री की हुई बातचीत का उल्लेख किया है, लेकिन उन चर्चाओं में किए गए आवश्वासनों का जिक्र

नहीं किया, जो 16 अप्रैल को पेश किए गए संविधान संशोधन विधेयक में शामिल नहीं थे। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने मंगलवार को एक्स पोस्ट में सरकार से तीन सवाल पूछे। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार के पास परिसीमन को लेकर कोई नया और ठोस प्रस्ताव है, जिस पर उसने किसी राजनीतिक दल से चर्चा की है।

शेष पेज 2 पर...

खास खबर

पीएम मोदी ने दी दशहरा की शुभकामनाएं, संकल्पों को लेकर कही खास बात

संवाददाता
नई दिल्ली। देशभर में मंगलवार को विजयादशमी यानी दशहरा का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस पर्व पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि उल्लास और विश्वास से भरा यह त्योहार सभी के जीवन में नई ऊर्जा लाए और उनके संकल्पों को मजबूती प्रदान करे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर संदेश साझा करते हुए लिखा, 'इआप सभी को विजयादशमी की अनंत शुभकामनाएं। उल्लास और विश्वास का यह विजय पर्व हर किसी के संकल्प को नई शक्ति प्रदान करे। उन्होंने सभी के जीवन में सुख, सौभाग्य और सफलता की कामना भी की। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी दशहरा की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी थीं। अपने संदेश में उन्होंने देश और विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को विजयादशमी की बधाई दी और इस पर्व को धर्म तथा नैतिक आचरण की जीत का प्रतीक बताया। राष्ट्रपति ने कहा कि भगवान श्रीराम को धर्म और नैतिक मूल्यों का प्रतीक माना जाता है। रावण पर उनकी विजय की स्मृति में मनाया जाने वाला यह त्योहार अधर्म और अन्याय पर धर्म तथा न्याय की जीत का संदेश देता है। यह पर्व लोगों को सत्य, कर्तव्य और नैतिकता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने देशवासियों से भारतीय संस्कृति और विरासत के उच्च आदर्शों को अपनाने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि विजयादशमी के अवसर पर सभी को विकसित भारत और समावेशी समाज के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए।



फ्लाईंग इंस्ट्रक्टर के साथ ट्रेनर एयरक्राफ्ट में एयर चीफ ने 55 मिनट तक भरी उड़ान

संवाददाता
नई दिल्ली। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने तेलंगाना के डुंडीगल में अपने उन पुराने इंस्ट्रक्टर रिटायर्ड विंग कमांडर वीएस कोचर के साथ उड़ान भरी, जिन्होंने उन्हें 42 साल पहले हवा में उड़ान सिखाया था। एयर फोर्स एकेडमी में एचजेटी-16 ट्रेनर किरण एयरक्राफ्ट में यह उड़ान भरी, जो एयर चीफ की सर्विस में आखिरी सॉर्टी होगी। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित 31 अक्टूबर को चीफ ऑफ एयर स्टाफ के तौर पर उनकी जगह लेंगे। विंग कमांडर वीएस कोचर (रिटायर्ड) के साथ कॉकपिट में बैठकर एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने मंगलवार को इंडियन एयर फोर्स का किरण मार्क-1 ट्रेनर एयरक्राफ्ट उड़ाया। लगभग 55 मिनट की इस उड़ान का इसलिए खास महत्व था, क्योंकि उन्होंने अपने पहले फ्लाईंग इंस्ट्रक्टर विंग कमांडर वीएस कोचर (रिटायर्ड) के साथ उड़ान भरी। इस पल ने वायु सेना प्रमुख की उड़ान यात्रा को पूरा कर दिया। इस मौके ने फ्लाईंग इंस्ट्रक्टर और उनके स्टूडेंट्स के बीच के पक्के रिश्ते के साथ-साथ एयर वॉरियर्स की कई पीढ़ियों को बनाने में ट्रेनिंग, मेंटरशिप और अनुशासन की अहम भूमिका को भी दिखाया। उनकी पहली उड़ान से लेकर उनकी आखिरी उड़ान तक वायु सेना के लिए सेवा, हुनर और समर्पण का एक शानदार सफर रहा।



शेष पेज 2 पर...

बेटियों से दुराचार करने वालों में रावण की प्रवृत्ति, नशे के खिलाफ भी लड़ना होगा : शिवराज सिंह

■ **केंद्रीय मंत्री चौहान ने विजयादशमी पर रील के जरिए दिया संदेश, देशवासियों को दी शुभकामनाएं**

संवाददाता
भोपाल। विजयादशमी पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बेटियों के साथ दुराचार की घटनाओं और समाज में बढ़ते नशे को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बेटियों के साथ दुराचार करने वालों में रावण जैसी प्रवृत्ति है। उन्होंने कहा कि बुराई पर विजय का पर्व तभी सार्थक होगा, जब समाज बेटियों के सम्मान की रक्षा करने और नशे जैसी बुराइयों को खत्म करने का संकल्प लेगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज ने विजयादशमी पर मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर रील के जरिए संदेश दिया। उन्होंने सभी देशवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि देशभर में उत्साह के साथ अधर्म पर धर्म और बुराई पर



अच्छाई की जीत का पर्व मनाया जा रहा है। परंपरा के अनुसार जगह-जगह रावण के पुतले जलाए जाएंगे, लेकिन उनके मन में बार-बार यह सवाल उठता है कि हर साल रावण का दहन करने के बावजूद समाज में उसकी बुराइयां क्यों बनी हुई हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज ने अपने संदेश में कहा कि जब किसी मासूम बेटे के साथ दुराचार की घटना होती है, तो मन व्यथित हो जाता है। तब लगता है कि रावण आज भी कहीं जिंदा है। ऐसी घटनाएं यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि रावण का अंत केवल पुतला

जलाने से नहीं हो सकता। समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा का भाव मजबूत करना भी जरूरी है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब हर साल विजयादशमी पर रावण का दहन किया जाता है, तो फिर उससे जुड़ी बुराइयां समाप्त क्यों नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि बेटियों के साथ होने वाले अपराधों को रोकना ही बुराई रूपी रावण के अंत की दिशा में वास्तविक कदम होगा। केंद्रीय मंत्री ने लोगों से अपील की कि वे मां, बहन और बेटे का सम्मान करें। उन्होंने कहा कि विजयादशमी का संदेश केवल रावण के पुतले जलाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे अपने व्यवहार और सामाजिक जीवन में भी उतारना होगा। शिवराज ने नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को भी गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि नशा नाश की जड़ है। यह व्यक्ति और परिवार को नुकसान पहुंचाने के साथ देश को भी प्रभावित कर रहा है।

शेष पेज 2 पर...

टाइगर श्रॉफ फायरिंग से लेकर किसानों तक: दशहरा मेले में उद्धव ठाकरे का सरकार पर तीखा हमला

■ **फडणवीस को लॉरेंस बिश्नोई पर कार्रवाई की चुनौती, बोले— पुलिस की सफलता घटना रोकने में होती, बाद में आरोपी पकड़ने में नहीं**

संवाददाता
मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में आयोजित दशहरा मेले में राज्य और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई फायरिंग का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने महाराष्ट्र की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के खिलाफ कार्रवाई की चुनौती दी। ठाकरे ने कहा कि टाइगर श्रॉफ हमले में बाल-बाल बच गए और पुलिस ने बाद में हमलावरों को पकड़ लिया, लेकिन असली सवाल यह है कि हथियार लेकर आरोपी मुंबई तक पहुंचे कैसे। उन्होंने कहा कि अगर गोली अभिनेता को लग



जाती और उसके बाद आरोपी पकड़े जाते, तो ऐसी कार्रवाई का क्या अर्थ रह जाता। उन्होंने पुलिस नाकाबंदी और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उद्धव ठाकरे ने कहा कि किसी घटना के बाद आरोपियों को गिरफ्तार करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसी वारदातों को होने से पहले रोकना जरूरी है। उन्होंने सवाल किया कि नवरात्र और दशहरा जैसे त्योहारों के दौरान कड़ी सुरक्षा और नाकाबंदी के बावजूद हथियार लेकर हमलावर शहर में कैसे घूमते

रहे। टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले में तीन आरोपियों को पकड़ा गया है और जांच आगे बढ़ रही है। लॉरेंस बिश्नोई का जिक्र करते हुए ठाकरे ने फडणवीस को चुनौती दी कि यदि उनमें हिम्मत है तो साबरमती जेल में बंद बिश्नोई को महाराष्ट्र लाकर पूछताछ करें। उन्होंने बिश्नोई गिरोह के कथित बड़े नेटवर्क को लेकर भी सवाल उठाए। हालांकि बिश्नोई को गुजरात की साबरमती जेल से अन्य राज्य में ले जाने पर केंद्रीय गृह मंत्रालय से जुड़े विशेष प्रतिबंध

और कानूनी प्रक्रियाएं लागू हैं। ठाकरे ने राज्य सरकार द्वारा अदालत में कथित तौर पर महाराष्ट्र में "शहरी नक्सलवाद" से जुड़े दावे का भी उल्लेख किया और कहा कि राज्य के किस शहर को इसका केंद्र बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपराधियों और अवैध हथियारों की आवाजाही रोकने पर सरकार को अधिक ध्यान देना चाहिए। अपने राजनीतिक भाषण में ठाकरे ने भाजपा के साथ पुरानी साझेदारी का भी जिक्र किया और दोहराया कि गठबंधन में उनके "25 वर्ष बर्बाद हुए।" उन्होंने युवा आंदोलनों का समर्थन करते हुए कहा कि उनकी पार्टी अभिजीत दीपके और प्रदर्शनकारी युवाओं के साथ खड़ी है। उन्होंने "जेन-जे" युवाओं के आंदोलनों को परिवर्तन की आवाज को लेकर भी सवाल उठाए। किसानों के मुद्दे पर उद्धव ठाकरे ने सरकार की सहायता राशि पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि राजनीतिक सत्ता बचाने के लिए

मीडिया मंच 'एक्स' पर उनके आगमन की जानकारी देते हुए कहा कि इस यात्रा से दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर 19 और 20 अक्टूबर को मुंबई में अपने यूएई समकक्ष की मेजबानी करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करेंगे और मौजूदा पहलों को आगे बढ़ाने पर चर्चा करेंगे।

संपादकीय

कौन करेगा ‘रिजीम चेंज’, लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन का रास्ता चुनाव

रिजीम चेंज यानी सत्ता या व्यवस्था परिवर्तन की चर्चा एक बार फिर भारतीय राजनीति में तेज हो गई है। विपक्षी दलों के कुछ नेता इसे मौजूदा सरकार के खिलाफ संघर्ष का प्रमुख उद्देश्य बता रहे हैं, जबकि इस विचार को लेकर राजनीतिक बहस भी जारी है। लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन का सबसे प्रभावी और संवैधानिक रास्ता चुनाव है, जिसके माध्यम से जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनती है और सरकारों को सत्ता से बाहर भी करती है। भारत जैसे संप्रभु, गणतांत्रिक और लोकतांत्रिक देश में सत्ता का हस्तांतरण संविधान और जनादेश के अनुसार होता है। इसलिए यहां सत्ता परिवर्तन की तुलना तख्तापलट से करना उचित नहीं है। भारत का राजनीतिक इतिहास बताता है कि देश में कई बार सत्ता परिवर्तन हुआ है, लेकिन यह प्रक्रिया चुनावों के माध्यम से ही आगे बढ़ी है। वर्ष 1977 इसका प्रमुख उदाहरण है। आपातकाल के बाद हुए आम चुनाव में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा और पहली बार केंद्र में गैर-कांग्रेसी जनता पार्टी की सरकार बनी। मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और देश की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू हुआ। उस समय सत्ता परिवर्तन के साथ शासन की कार्यप्रणाली और नीतियों में भी बदलाव की उम्मीद की गई थी। हालांकि, जनता पार्टी आंतरिक मतभेदों और राजनीतिक खींचतान के कारण अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सकी। अंततः 1980 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सत्ता में वापसी हुई। आपातकाल के दौरान विपक्षी नेताओं ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार के खिलाफ व्यापक आंदोलन चलाया था। जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई और राममनोहर लोहिया जैसे नेताओं ने लोकतंत्र की बहाली और सत्ता परिवर्तन की मांग को प्रमुखता दी। उस दौर में जनता के बीच यह संदेश पहुंचाया गया कि सरकार बदलने के लिए जनशक्ति और लोकतांत्रिक भागीदारी जरूरी है। चुनाव के परिणामों ने भी साबित किया कि जनता का जनादेश किसी भी सरकार के भविष्य का फैसला कर सकता है। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में वरिष्ठ अधिकता प्रशांत भूषण द्वारा ‘रिजीम चेंज’ की जरूरत पर दिए गए बयानों ने इस बहस को फिर हवा दी है। उनका कहना है कि युवाओं के नेतृत्व में सत्ता और व्यवस्था में बदलाव की लड़ाई आगे बढ़ाई जानी चाहिए। इससे पहले अन्ना आंदोलन के दौरान भी भ्रष्टाचार के खिलाफ व्यापक जनसमर्थन देखने को मिला था। इस आंदोलन के बाद आम आदमी पार्टी का गठन हुआ और दिल्ली में उसकी सरकार बनी। हालांकि, आंदोलन से जुड़े विभिन्न लोगों के बीच बाद में राजनीतिक मतभेद भी उभरे। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा भी आपातकाल के बाद हुए राजनीतिक परिवर्तन को व्यवस्था में बदलाव का उदाहरण बताते रहे हैं। लेकिन मौजूदा संघर्ष में सवाल यह है कि विपक्ष सत्ता परिवर्तन की अपनी रणनीति किस दिशा में ले जाना चाहता है। यदि विपक्ष का उद्देश्य केंद्र सरकार को बदलना है, तो इसके लिए उसे जनता के बीच अपना समर्थन बढ़ाना होगा, साझा राजनीतिक कार्यक्रम तैयार करना होगा और चुनावों में प्रभावी चुनौती पेश करनी होगी। केवल बड़े शहरों में भीड़ जुटाने, नारे लगाने या सरकार के खिलाफ आक्रामक बयान देने से सत्ता परिवर्तन सुनिश्चित नहीं हो सकता। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन नागरिकों का अधिकार है, लेकिन आंदोलन को संवैधानिक दायरे में रखना भी उतना ही आवश्यक है। सरकार की नीतियों की आलोचना करना और उससे जवाब मांगना विपक्ष की जिम्मेदारी है। वहीं, जनता के सामने विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना भी उसके लिए जरूरी है। आगामी चुनाव विपक्ष के लिए अपनी राजनीतिक ताकत साबित करने का अवसर होंगे। उत्तर प्रदेश, पंजाब समेत जिन राज्यों में 2027 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं, वहां मतदाता यह तय करेंगे कि वे किस दल या गठबंधन को सत्ता सौंपना चाहते हैं। इन चुनावों के परिणाम राष्ट्रीय राजनीति पर भी असर डाल सकते हैं। विपक्ष को चाहिए कि वह स्थानीय मुद्दों, रोजगार, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशासनिक जवाबदेही जैसे विषयों पर जनता का विवास हासिल करे। भारतीय राजनीति में ‘अरब स्प्रिंग’ जैसे विदेशी आंदोलनों का उदाहरण देकर सत्ता परिवर्तन की संभावनाओं का आकलन करना भी सावधानी की मांग करता है। अलग-अलग देशों की राजनीतिक परिस्थितियाँ, संस्थागत व्यवस्थाएं और सामाजिक संरचनाएं अलग होती हैं। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव, संसद, न्यायपालिका और संवैधानिक संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए किसी भी राजनीतिक बदलाव का मूल्यांकन भारतीय परिस्थितियों और संवैधानिक प्रक्रियाओं के आधार पर किया जाना चाहिए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी विपक्ष के कुछ नेताओं पर देश में अराजकता फैलाने और राजनीतिक तनाव बढ़ाने के आरोप लगाए हैं। ऐसे आरोपों पर राजनीतिक बहस हो सकती है, लेकिन लोकतंत्र में किसी भी पक्ष के दावों का आकलन तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी है कि वे राजनीतिक मतभेदों को लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर रखें। वोट चोरी के आरोपों और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर उठाए गए सवालों ने भी राजनीतिक माहौल को प्रभावित किया है। मतदाता सूचियों की शुद्धता और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि मतदाता सूची में कोई गड़बड़ी सामने आती है, तो उसे पारदर्शी तरीके से दूर किया जाना चाहिए। चुनाव आयोग की जवाबदेही और उसकी निष्पक्षता पर चर्चा करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन किसी भी आरोप की पुष्टि उचित जांच और प्रमाणों के आधार पर ही होनी चाहिए।

कांग्रेस ने परिसीमन...

उन्होंने यह भी सवाल किया कि सरकार परिसीमन पर सर्वदलीय बैठक बुलाने, अपने नए प्रस्ताव को पारदर्शी तरीके से सभी दलों के सामने रखने और उनकी राय सुनने से क्यों बच रही है। रमेश ने कहा कि यह विधेयक 17 अप्रैल को लोकसभा में पराजित हो गया था और रिजिजू ने अपने पत्र में जिन राजनीतिक दलों का संसद में चर्चा का जिक्र किया है उनमें से अधिकांश दलों ने भी विधेयक के खिलाफ मतदान किया था। उन्होंने कहा कि खरगे ने सर्वदलीय बैठक की मांग छह बार लिखित रूप में उठाई है। इनमें चार पत्र प्रधानमंत्री मोदी और दो पत्र किरेन रिजिजू को लिखे गए थे। उन्होंने तीसरा सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या सरकार लोकसभा में पराजित विधेयक को फिर से लाने और उसे दोबारा पारित कराने की कोशिश करना चाहती है। ऐसा प्रयास भी सफल नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि खरगे ने 16 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर परिसीमन संबंधी संवैधानिक संशोधन विधेयक पर विचार से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की थी। इसके जवाब में रिजिजू ने 19 अक्टूबर को पत्र लिखकर कहा कि सरकार ने इस मुद्दे पर कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों से संवाद और सहयोग लेने

के प्रयास किए थे। रिजिजू ने कांग्रेस से विधेयक पर रचनात्मक सहयोग करने की अपील की।

बेटियों से दुराचार...

उन्होंने सवाल किया कि नशे रूपी रावण का अंत क्यों नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि दशरथे पर रावण का दहन करने के साथ लोगों को अपने भीतर मौजूद बुराइयों को भी समाप्त करने का संकल्प लेना चाहिए। नशे से दूरी और समाज को इसके दुष्प्रभावों से बचाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। शिवराज ने कहा कि बेटियों के सम्मान की रक्षा और नशे के खिलाफ लड़ाई के बिना विजयादशमी के संदेश को पूरी तरह सार्थक नहीं बनाया जा सकता। केन्द्रीय मंत्री ने देशवासियों, भाइयों-बहनों और भांजे-भांजियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लोगों से सम्मार्ग पर चलने और हमेशा अच्छाई का साथ देने की अपील की। उन्होंने भगवान राम को अच्छाई का प्रतीक बताते हुए कहा कि सभी को बुराइयों से दूर रहना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कामना की कि मां का आशीर्वाद सभी पर बना रहे, हर व्यक्ति सुखी रहे और जीवन में आगे बढ़े। उन्होंने देशवासियों से ऐसी बुराइयों को समाप्त करने का

पेज 1 का शेष...

के प्रयास किए थे। रिजिजू ने कांग्रेस से विधेयक पर रचनात्मक सहयोग करने की अपील की।

बेटियों से दुराचार...

उन्होंने सवाल किया कि नशे रूपी रावण का अंत क्यों नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि दशरथे पर रावण का दहन करने के साथ लोगों को अपने भीतर मौजूद बुराइयों को भी समाप्त करने का संकल्प लेना चाहिए। नशे से दूरी और समाज को इसके दुष्प्रभावों से बचाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। शिवराज ने कहा कि बेटियों के सम्मान की रक्षा और नशे के खिलाफ लड़ाई के बिना विजयादशमी के संदेश को पूरी तरह सार्थक नहीं बनाया जा सकता। केन्द्रीय मंत्री ने देशवासियों, भाइयों-बहनों और भांजे-भांजियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लोगों से सम्मार्ग पर चलने और हमेशा अच्छाई का साथ देने की अपील की। उन्होंने भगवान राम को अच्छाई का प्रतीक बताते हुए कहा कि सभी को बुराइयों से दूर रहना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कामना की कि मां का आशीर्वाद सभी पर बना रहे, हर व्यक्ति सुखी रहे और जीवन में आगे बढ़े। उन्होंने देशवासियों से ऐसी बुराइयों को समाप्त करने का

सीजेपी के विरोध में ‘लाल हिट जनता पार्टी’ का उदय

सौरभ वार्ष्ण्य

देश की राजनीति में विरोध और प्रतिरोध की नई तस्वीर सामने आ रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच अभिजीत दीपके से जुड़ी बताई जा रही कॉकरोच जनता पार्टी के मुकाबले ‘लाल हिट जनता पार्टी’ नाम से एक नए संगठन के सामने आने की खबर चर्चा का विषय बनी हुई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली में इस संगठन की पहली सदस्यता बैठक आयोजित की गई, जिसमें शामिल लोगों ने सीजेपी, कांग्रेस और अन्य प्रदर्शनकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर यह बहस तेज कर दी है कि लोकतंत्र में विरोध की सीमा क्या होनी चाहिए और असहमति का जवाब किस तरीके से दिया जाना चाहिए।‘लाल हिट जनता पार्टी’ के प्रमुख और संयोजक अयान भटनागर के बयानों के मुताबिक, इस संगठन का उद्देश्य चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि सीजेपी और उसके विरोध प्रदर्शनों के लिए आवश्यकताओं को खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करना है। उनका दावा है कि संगठन भविष्य की रणनीति तैयार करेगा और विभिन्न स्थानों पर छोटे-बड़े समूहों के माध्यम से अपनी बात रखेगा। उन्होंने सीजेपी को खुली बहस की चुनौती भी दी है। उनके अनुसार, यदि विरोध करने वाले अपने विचारों को लेकर अवसर नहीं, तो उन्हें सार्वजनिक चर्चा के लिए आगे आना चाहिए। यह घटनाक्रम केवल दो संगठनों के बीच टकराव की कहानी नहीं है। इसके पीछे लोकतांत्रिक विरोध, राजनीतिक लामबंदी, जनमत निर्माण और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न मौजूद हैं। किसी संगठन का विरोध करना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन उस विरोध की वैधता और प्रभाव का आकलन उसके नारों से नहीं, बल्कि उसके उद्देश्यों, तथ्यों और तरीकों से किया जाना चाहिए।लोकतंत्र में असहमति को दबाने के बजाय उसे सुनना और समझना आवश्यक है। किसी सरकारी संस्था, संवैधानिक पदाधिकारी या राजनीतिक दल के फैसलों से असहमति होने पर नागरिकों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने, अपनी बात रखने और सवाल पूछने का अधिकार प्राप्त है। इसी तरह, किसी प्रदर्शन से असहमत नागरिकों को भी अपनी राय व्यक्त करने तथा उसके विरोध में शांतिपूर्ण अभियान चलाने का अधिकार है।इस दृष्टि से ‘लाल हिट जनता पार्टी’ का सामने आना विरोध की राजनीति के जवाब में एक दूसरे विचार के उभरने के रूप में देखा जा सकता है। यदि एक समूह किसी संवैधानिक पदाधिकारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है, तो दूसरे समूह को उस प्रदर्शन की आलोचना करने से रोका नहीं जा सकता। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति इसी बहुलता में निहित है, जहां अलग-अलग विचारों को सामने आने का अवसर मिलता है लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब वैचारिक असहमति व्यक्तिगत आरोपों, अपमानजनक भाषा और एक-दूसरे को समाप्त करने की राजनीतिक मानसिकता में बदल जाती है। लोकतंत्र में किसी विचार का मुकाबला बेहतर तर्क से होना चाहिए, न कि केवल तीखे नारों और उत्तेजक नामों से। किसी संगठन की लोकप्रियता का वास्तविक आकलन इस बात से होगा कि वह जनता के सामने नए कौन-से तथ्य रखता है और जनहित के सवालों पर उसका दृष्टिकोण कितना स्पष्ट है।मीडिया रिपोर्टों में सीजेपी से जुड़े लोगों पर अराजकता फैलाने और विदेशी फंडिंग प्राप्त करने जैसे आरोप



लगाए जाने की बात सामने आई है। इन आरोपों को गंभीरता से देखा जा सकता है, लेकिन किसी भी आरोप को प्रमाण के बिना स्थापित तथ्य मान लेना उचित नहीं होगा। यदि किसी संगठन की गतिविधियों, वित्तीय स्रोतों या प्रदर्शन के दौरान उसके आचरण को लेकर संदेह है, तो संबंधित तथ्यों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता सभी संगठनों के लिए आवश्यक है। जो संगठन जनता के नाम पर आंदोलन करते हैं, उनसे यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वे अपने उद्देश्यों, नेतृत्व, वित्तीय संसाधनों और गतिविधियों के संबंध में जवाबदेह रहें। लेकिन यही कसौटी उन संगठनों पर भी लागू होनी चाहिए जो विरोध प्रदर्शनों का प्रतिरोध करने के लिए सामने आते हैं।एक पक्ष पर लगाए गए आरोपों को दूसरे पक्ष की स्वतः निर्दोषता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कानून का शासन इसी सिद्धांत पर आधारित है कि जांच तथ्यों के आधार पर हो, न कि राजनीतिक पसंद और नापसंद के आधार पर। यदि किसी संगठन को लेकर गंभीर शिकायत है, तो सक्षम संस्थाओं को नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। आरोपों के आधार पर किसी समूह को दोषी घोषित करना न्यायपूर्ण लोकतंत्र की भावना के विपरीत है।अयान भटनागर ने सीजेपी को खुली बहस की चुनौती दी है। यह पहल अपने आप में महत्वपूर्ण हो सकती है, बशर्ते बहस का उद्देश्य केवल एक-दूसरे को नीचा दिखाना न होकर जनता के सामने तथ्यों को स्पष्ट करना हो। लोकतंत्र में सार्वजनिक संवाद की संस्कृति कमजोर पड़ने का एक बड़ा कारण यह है कि राजनीतिक और वैचारिक समूह अक्सर आरोप विचारों को सुनने के बजाय उन्हें पूरी तरह खारिज करने लगते हैं।यदि शांतिपूर्ण अभियान चलाने का अधिकार है तो सीजेपी और ‘लाल हिट जनता पार्टी’ के प्रतिनिधि किसी सार्वजनिक मंच पर आमने-सामने बैठकर अपने विचार रखते हैं, तो जनता को दोनों पक्षों के तर्क समझने का अवसर मिल सकता है। ऐसी बहस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विरोध के कारण, प्रदर्शन की वैधता, निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सवाल, राजनीतिक दलों की भूमिका और सार्वजनिक व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे विषय शामिल किए जा सकते हैं।हालांकि, बहस केवल चुनौती देने से सफल नहीं होती। इसके लिए तथ्यात्मक तैयारी, संयमित भाषा और विरोधी पक्ष को सुनने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक है। यदि दोनों समूह पहले से तय निष्कर्षों के साथ मंच पर आते हैं और केवल आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, तो उससे राजनीतिक तनाव बढ़ सकता है। इसके विपरीत, प्रमाणों और तर्कों पर आधारित संवाद लोकतंत्र को मजबूत कर सकता है।अयान भटनागर ने यह भी दावा किया है कि प्रदर्शनों के कारण कारोबारियों का धंधा प्रभावित हो रहा है। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ कथित बदसलूकी का मुद्दा भी उठाया। इन शिकायतों की स्वतंत्र

पुष्टि आवश्यक है, लेकिन व्यापक सिद्धांत स्पष्ट है कि किसी भी आंदोलन के दौरान आम नागरिकों के अधिकारों और सार्वजनिक सुविधाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए।बाजारों में काम करने वाले व्यापारी, दैनिक मजदूरी करने वाले श्रमिक, कार्यालय जाने वाले कर्मचारी, मरीज और विद्यार्थी किसी भी राजनीतिक विवाद के प्रत्यक्ष पक्षकार नहीं होते। यदि विरोध प्रदर्शनों के कारण यातायात बाधित होता है, दुकानों का कारोबार प्रभावित होता है या लोगों को आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाई होती है, तो इसका समाधान निकालना जरूरी है।इसका अर्थ यह नहीं कि कारोबार या यातायात में असुविधा का हवाला देकर हर प्रदर्शन पर रोक लगा दी जाए। शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र का आवश्यक हिस्सा है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासन प्रदर्शन के लिए उचित स्थान, समय और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे तथा आयोजक कानून के दायरे में रहकर अपनी बात रखें। पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार या हिंसा की कोई घटना होती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच और कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। इसी प्रकार, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के अधिकारों की रक्षा करना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है।अयान भटनागर का यह कहना कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक फोन कर दें तो बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर आ सकते हैं, राजनीतिक लामबंदी की संभावनाओं की ओर संकेत करता है। लेकिन किसी नेता के आह्वान पर भीड़ जुट जाना और किसी विचार को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त होना दो अलग-अलग बातें हैं।भीड़ की संख्या किसी संगठन की वास्तविक सामाजिक स्वीकार्यता का एकमात्र प्रमाण नहीं हो सकती। जनसमर्थन का मूल्यांकन इस बात से भी होना चाहिए कि संगठन किसने समय तक सक्रिय रहता है, समाज के वास्तविक मुद्दों पर क्या योगदान देता है और अपने विचारों को कितनी स्पष्टता से प्रस्तुत करता है।

किसी भी राजनीतिक या सामाजिक संगठन की विश्वसनीयता उसके काम, व्यवहार और जवाबदेही से बनती है। यदि ‘लाल हिट जनता पार्टी’ वास्तव में सीजेपी की गतिविधियों का वैचारिक प्रतिरोध करना चाहती है, तो उसे अपने उद्देश्यों और कार्ययोजना को स्पष्ट करना होगा। केवल किसी विरोधी संगठन के खिलाफ खड़ा होना स्थायी राजनीतिक पहचान बनाने के लिए पर्याप्त नहीं है। जनता यह भी जानना चाहेगी कि संगठन लोकतांत्रिक संस्थाओं, नागरिक अधिकारों, चुनावी पारदर्शिता और सार्वजनिक व्यवस्था जैसे सवालों पर क्या सोचता है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में विचारों का टकराव स्वाभाविक है। यहां सत्ता पक्ष और विपक्ष, सरकार समर्थक और सरकार विरोधी, तथा अलग-अलग सामाजिक समूहों को अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन इस अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। किसी आंदोलन को केवल उसके विरोधियों की नाराजगी के आधार पर गलत नहीं कहा

जा सकता और किसी विरोधी संगठन को केवल उसके नाम या राजनीतिक झुकाव के आधार पर खारिज करना भी उचित नहीं है। ‘लाल हिट जनता पार्टी’ का उदय फिलहाल सीजेपी के विरोध में एक नई संघटनात्मक पहल के रूप में सामने आया है। यह पहल आगे किस दिशा में जाएगी, इसका आकलन उसके भविष्य के कार्यों और सार्वजनिक व्यवहार के आधार पर ही किया जा सकता है। अभी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि कौन-सा संगठन किसे चुनौती देता है, बल्कि यह है कि इस राजनीतिक टकराव से लोकतांत्रिक विमर्श को क्या हासिल होगा। यदि दोनों पक्ष तथ्य, तर्क और शांतिपूर्ण संवाद का रास्ता अपनाते हैं, तो जनता को लाभ हो सकता है। लेकिन यदि

यह मुकाबला केवल आरोपों, उत्तेजक नारों और भीड़ जुटाने की प्रतियर्धा तक सीमित रहा, तो लोकतंत्र के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाएंगे। लोकतंत्र में किसी विचार का जवाब दूसरा विचार है, किसी संघटनात्मक पहल के रूप में सामने आया है। यह पहल आगे किस दिशा में जाएगी, इसका आकलन उसके भविष्य के कार्यों और सार्वजनिक व्यवहार के आधार पर ही किया जा सकता है। अभी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि कौन-सा संगठन किसे चुनौती देता है, बल्कि यह है कि इस राजनीतिक टकराव से लोकतांत्रिक विमर्श को क्या हासिल होगा। यदि दोनों पक्ष तथ्य, तर्क और शांतिपूर्ण संवाद का रास्ता अपनाते हैं, तो जनता को लाभ हो सकता है। लेकिन यदि



एल.आई.सी

भारतीय जीवन बीमा से संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या समाधान हेतु संपर्क करें।
-भारत सिंह
मो. 9967255741

महत्वपूर्ण सूचना

विज्ञापन प्रति के स्वीकृति पूर्व एहतियातन बरती जाने के बावजूद, उसमें अंतर्भूत बाते जाँचना संभव नहीं है। ऐसी अंतर्भूत बातों के लिए दैनिक स्वर्णिम प्रदेश के अंतर्गत समाचार पत्र या प्रकाशनों में आनेवाली कंपनियां, संस्थाएं या व्यक्तिगत विज्ञापनों के साथ हुए किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं है।

आज का राशिफल

मेघ: रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। कार्यभार व अधिकार में वृद्धि हो सकती है।

वृषभ: विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनहानि की आशंका है। व्यापार-व्यवसाय में धीमापन रह सकता है। आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा।

मिथुन: दुःखद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कर्क: आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। जौखिम व जमानत के कार्य टालें। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। प्रमाद न करें।

सिंह: लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। झंझटों में न पड़ें। शारीरिक कष्ट संभव है।

कन्या: यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा।

तुला: उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। निवेश शुभ रहेगा। प्रमाद न करें।

वृश्चिक: अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पाटनरों से मतभेद हो सकते हैं। थकान महसूस होगी। अपेक्षित कार्यों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी।

धनु: नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। बड़ा कार्य करने का मन बनेगा। सफलता के साधन जुटेंगे।

मकर: किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। चोट व दुर्घटना से बचें। व्यस्तता रहेगी।

कुंभ: कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यवसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। धनहानि भी आशंका है।

मीन: कारोबार में आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। पत्नी के सहयोग से भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे। भूमि-भवन या दुकान इत्यादि की खरीदी से मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी।

किसानों की दिवाली ‘काली’ नहीं होने देंगे, हजारों ट्रकों से भेजी जाएगी राहत: एकनाथ शिंदे



संवाददाता

मुंबई। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को कहा है कि किसानों की दिवाली किसी भी परिस्थिति में काली नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष खड़ी फसलें सुखने से किसान गंभीर संकट में हैं, लेकिन राज्य सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है। शिंदे की शिवसेना की ओर से सूखाग्रस्त किसानों के लिए हजारों ट्रकों के जरिए राहत सामग्री और दिवाली का राशन भेजने की शुरुआत की गई है। शिंदे ने कहा कि राज्य में सूखा घोषित करने की मांग किसानों की ओर से लगातार की जा रही थी और सरकार ने इसे स्वीकार किया है। उन्होंने दावा किया कि पिछले वर्ष की तरह इस बार भी किसानों के खातों में 5-5 हजार रुपये की तत्काल आर्थिक सहायता सीधे भेजी गई है। उन्होंने कहा कि शिवसेना की ओर से राहत भेजना कोई उपकार नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, “मदद का तोरण, यही शिवसेना की नीति” है और यह शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे तथा धर्मवीर आनंद दिघे को सोख है। शिंदे के अनुसार, मंगलवार से ही चरणबद्ध तरीके से

हजारों ट्रकों में दिवाली का राशन और जीवनावश्यक वस्तुएं सूखाग्रस्त क्षेत्रों में भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं की कमी नहीं होने दी जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के संकटग्रस्त किसानों को केंद्र की ओर से सहयोग देने का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मदद आने से पहले ही शिवसेना की ओर से राहत सीधे किसानों तक पहुंचाई जा रही है। शिंदे ने दुष्काल प्रभावित उन किसान परिवारों का भी उल्लेख किया, जिनके घर इस वर्ष बेटे या बेटी की शादी तय है। उन्होंने कहा कि ऐसे परिवार आर्थिक संकट के कारण विवाह समारोह में परेशानी का सामना न करें, इसके लिए शिवसेना उनकी मदद करेगी। संबंधित पदाधिकारियों को गांववार ऐसे परिवारों की जानकारी जुटाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और पार्टी दोनों स्तरों पर यह प्रयास रहेगा कि सूखे से प्रभावित किसी भी किसान परिवार को दिवाली और पारिवारिक कार्यक्रमों के दौरान अकेला न पड़ना पड़े।

‘अमरसन्स’ स्टोर में लगी भीषण आग, छह घंटे बाद पाया गया काबू

संवाददाता

मुंबई। दक्षिण मुंबई के भुलाभाई देसाई रोड स्थित प्रमुख डिपार्टमेंटल स्टोर ‘अमरसन्स’ में मंगलवार सुबह भीषण आग लग गई। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग को सुबह करीब 8 बजे ब्रीच कैंडी अस्पताल के पास स्थित अमरसन्स स्टोर में आग लगने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही चार दमकल गाड़ियां और अन्य अग्निशमन वाहन मौके पर भेजे गए। दमकलकर्मियों ने करीब छह घंटे तक आग बुझाने का अभियान चलाया और दोपहर करीब 2 बजे आग पर काबू पा लिया। घटना के दौरान पुलिस, लोक निर्माण विभाग (PWD), एंबुलेंस सेवाएं, वृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाय एंड ट्रांसपोर्ट (BEST) और वृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) के कर्मचारी भी मौके पर तैनात रहे। अधिकारियों के अनुसार, आग में किसी की जान नहीं गई और न ही कोई घायल हुआ। हालांकि, संपत्ति को हुए नुकसान का पूरा आकलन अभी किया जा रहा है। आग लगने के सही कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

बीमारी ठीक करने और ‘पैसों की बारिश’ का झांसा देकर महिला से 7.5 लाख की ठगी

कथित तांत्रिक अरुण पाटील के खिलाफ जादूटोणा विरोधी कानून के तहत मामला दर्ज, पूजा में मानव खोपड़ी और पशु बलि के इस्तेमाल का आरोप



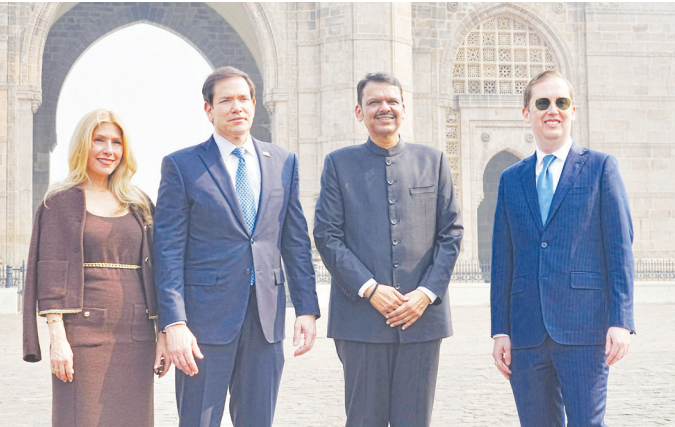
संवाददाता

नाशिक। बीमारी ठीक करने और कथित दैवी व अघोरी शक्तियों के जरिए “पैसों की बारिश” कराने का लालच देकर पनवेल की एक महिला से साढ़े सात लाख रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। इस प्रकरण में गंगापूर क्षेत्र निवासी अरुण धोंडू पाटील नामक कथित तांत्रिक के खिलाफ गंगापूर पुलिस ने सोमवार, 19 अक्टूबर की देर रात महाराष्ट्र नरबलि एवं अन्य अमानवीय, अनिष्ट और अघोरी प्रथा तथा जादूटोणा प्रतिबंधक कानून के तहत मामला दर्ज किया है। शिकायत के अनुसार, पनवेल निवासी महिला दमा की बीमारी से परेशान थी। उसे नाशिक के अरुण पाटील की कथित दैवी शक्तियों के बारे में जानकारी मिली। आरोप है कि पाटील ने महिला को नाशिक लाने के लिए पनवेल वाहन भेजा। महिला और उसके पति की

आंखों पर पट्टी बांधकर उन्हें नाशिक लाया गया और कथित पूजा-अनुष्ठान के बाद उसी तरह वापस पनवेल भेज दिया गया। बताया गया कि इस प्रकार कई बार पूजा कराई गई। महिला को कुछ समय के लिए बीमारी में सुधार होने का आभास हुआ, जिससे उसका विश्वास बढ़ गया। शिकायत के मुताबिक विभिन्न पूजा-विधियों के नाम पर उससे कुल 7.5 लाख रुपये लिए गए। महिला ने आरोप लगाया कि उसे “पैसों की बारिश” कराने का भरोसा भी दिलाया गया था, लेकिन न तो ऐसा हुआ और न ही उसकी बीमारी ठीक हुई। बाद में जब उसने अपनी रकम वापस मांगी तो कथित तौर पर संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद मामला महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति (अनिस) के कार्यकर्ताओं तक पहुंचा। अनिस के पदाधिकारियों ने पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक से मुलाकात

गेटवे ऑफ इंडिया पर सीएम देवेंद्र फडणवीस ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का किया स्वागत

शॉल ओढ़ाकर किया सम्मान, मुंबई की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से कराया परिचित



संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को मुंबई के ऐतिहासिक गेटवे ऑफ इंडिया परिसर में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पारंपरिक रूप से शॉल भेंट कर अमेरिकी विदेश मंत्री का सम्मान किया और उन्हें मुंबई की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने रुबियो को गेटवे ऑफ इंडिया के ऐतिहासिक महत्व तथा आसपास के परिसर की विशेषताओं से अवगत कराया। इस दौरान दोनों के बीच संवाद भी हुआ।

गेटवे ऑफ इंडिया परिसर का किया अवलोकन

स्वागत समारोह के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अमेरिकी विदेश मंत्री

मार्को रुबियो ने गेटवे ऑफ इंडिया परिसर का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें मुंबई के इस प्रमुख ऐतिहासिक स्मारक के महत्व और शहर की सांस्कृतिक विशेषताओं की जानकारी दी। इस मुलाकात का उद्देश्य अमेरिकी विदेश मंत्री को मुंबई की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान से परिचित कराना था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव लोकेश चंद्र, राजशिष्टाचार विभाग के सचिव डॉ. राजेश गवांदे, मुख्यमंत्री के सलाहकार कौस्तुभ धवसे तथा अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ आया प्रतिनिधिमंडल उपस्थित रहा। मुख्यमंत्री और अमेरिकी विदेश मंत्री के बीच हुई इस मुलाकात में मुंबई की ऐतिहासिक विरासत प्रमुख केंद्र रही।

भारत को विश्वगुरु बनाने का कोई शॉर्टकट नहीं, हर नागरिक को निभानी होगी भूमिका: मोहन भागवत

संवाददाता

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि भारत अपनी सर्वोच्च प्रतिष्ठा प्राप्त कर विश्वगुरु बन सकता है, लेकिन इसके लिए कोई शॉर्टकट नहीं है। प्रत्येक नागरिक को व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और व्यावसायिक जीवन में जिम्मेदारी निभाते हुए छोटे-छोटे सकारात्मक बदलाव लाने होंगे। भागवत 20 अक्टूबर को नागपुर में आयोजित RSS के विजयादशमी उत्सव को संबोधित कर रहे थे। यह आयोजन संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों के समापन के अवसर पर हुआ। भागवत ने कहा कि भारत के आगे बढ़ने के साथ कुछ वैश्विक शक्तियां उसे एक मजबूत प्रतिस्पर्धी और महत्वपूर्ण लक्ष्य के रूप में देखती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी ताकतें भारत, हिंदू समाज और संघ को कमजोर करने के लिए योजनाएं बनाती हैं और देश के भीतर भी कुछ लोग जाने-अनजाने उनकी मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज और प्रशासन में समस्याएं हो सकती हैं तथा विरोध भी जायज हो सकता है, लेकिन किसी भी आंदोलन का उद्देश्य समाधान होना चाहिए, न कि समाज में वैमनस्य और विभाजन बढ़ाना। उन्होंने कहा कि भावनाएं कितनी भी तीव्र क्यों न हों, सभी गतिविधियां संविधान और कानून की सीमा में रहनी चाहिए। सामाजिक आंदोलनों में संवाद की गरिमा और मर्यादा बनाए रखने की जरूरत है। उनके अनुसार, अलग-अलग विचारों को दुश्मनी में बदलने, संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने और अलगाव की भावना बढ़ाने वाली प्रवृत्तियों से सावधान रहना होगा। भागवत ने कहा

विजयादशमी उत्सव में सामाजिक एकता, स्वदेशी, नशामुक्ति और सोशल मीडिया के जिम्मेदार इस्तेमाल पर दिया जोर



कि केवल सरकार या केवल आंदोलन सभी सामाजिक समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते। इसके लिए समाज की सक्रिय भागीदारी, संवाद और सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने RSS के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जीवन को समर्पित भाव से आगे बढ़ाना होगा। RSS की भूमिका पर उठने वाले सबालों का उल्लेख करते हुए भागवत ने कहा कि संगठन का कार्य निस्वार्थ सेवा, समर्पण और समाज के प्रति प्रेम पर आधारित है। उन्होंने विविधता के सम्मान को भारतीय दृष्टिकोण की विशेषता बताते हुए कहा कि धर्म, पंथ, भाषा, जाति, क्षेत्र, खान-पान और परंपराओं में भिन्नता के बावजूद राष्ट्रीय एकता तभी मजबूत होगी, जब सभी के प्रति अपनापन और सम्मान की भावना रहे। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष में शुरू की गई पहलों का जिक्र करते हुए कहा कि स्वयंसेवकों ने विदेशों में भी भारत, हिंदुत्व और संघ के कार्यों के बारे में संवाद किया। उन्होंने स्वदेशी और

राष्ट्रीय पहचान के प्रति जागरूकता बढ़ाने को भी महत्वपूर्ण बताया। भागवत ने ‘वंदे मातरम्’ को पूर्ण रूप से और गर्व के साथ गाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह गीत बंगाल विभाजन विरोधी आंदोलन के दौरान प्रेरणा का स्रोत रहा और आज भी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। सोशल मीडिया और तकनीक पर बोलते हुए भागवत ने कहा कि विज्ञान और तकनीक ने सूचनाओं तक पहुंच आसान बनाई है, लेकिन इनके दुष्प्रभावों पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कुछ देशों ने सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नियम और प्रतिबंध लागू किए हैं तथा भारत में भी सरकार को इस दिशा में विचार करना चाहिए। युवाओं को उचित और अनुचित सामग्री के बीच अंतर पहचानने का विवेक देना भी जरूरी है। नशीले पदार्थों की लत को उन्होंने गंभीर राष्ट्रीय समस्या बताया। भागवत ने कहा कि सरकार, प्रशासन और समाज को मिलकर समय रहते कदम उठाने चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि स्वयंसेवक नशे के खिलाफ काम करने वाले संगठनों और लोगों को साथ लाकर देशव्यापी जनजागरण का प्रयास करेंगे। भागवत ने कहा कि विज्ञान और तकनीक मानव जीवन को बेहतर बनाने के महत्वपूर्ण साधन हैं, लेकिन उनका उपयोग संतुलित और व्यापक दृष्टिकोण से होना चाहिए। उन्होंने भारत की सनातन परंपरा को एकता, सामंजस्य, संयम और सार्वभौमिक भाईचारे पर आधारित बताते हुए कहा कि यही दृष्टिकोण दुनिया के सामने समग्र विकास का एक रास्ता प्रस्तुत कर सकता है।

नारायणगढ़ दशहरा सम्मेलन में मनोज जरांगे ने सरकार के सामने रखी पांच मांगें

हर घर से ‘मराठा सेवक’ तैयार करने का आह्वान कुणबी प्रमाणपत्र और समाज की समस्याओं के लिए अलग संपर्क नंबर जारी करने की घोषणा



तीन वर्षों से समाज अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहा है। उन्होंने समाज के लोगों से राजनीतिक नेताओं के पीछे आंख मूंदकर न चलने की अपील करते हुए कहा कि जो नेता समाज के हितों के खिलाफ जाएंगे, उसे 2029 के चुनाव में जवाब दिया जाना चाहिए। जरांगे ने किसानों से जुड़े मुद्दों पर भी सरकार के सामने पांच प्रमुख मांगें रखीं। उन्होंने किसानों को प्रति हेक्टेयर एक लाख रुपये सहायता, संपूर्ण कर्मभागी, फसल बीमा की पूरी राशि खातों में जमा करने, लंबित कृषि अनुदान जारी करने और गांव-गांव में चारा छावनियां शुरू करने की मांग

की। उन्होंने कहा कि मराठा समाज का बड़ा हिस्सा खेती पर निर्भर है और सूखे जैसी परिस्थितियों में किसानों की आर्थिक स्थिति गंभीर रूप से प्रभावित होती है। इसलिए सरकार को किसानों की सहायता और लंबित भुगतान के मामलों में तत्काल कदम उठाने चाहिए। कुणबी प्रमाणपत्रों का मुद्दा उठाते हुए जरांगे ने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर दस्तवेजी प्रविष्टियां मिलने के बावजूद आवेदन स्वीकार नहीं किए जा रहे या प्रमाणपत्र जारी करने में अड़चने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों की जानकारी सीधे आंदोलन से जुड़े प्रतिनिधियों तक पहुंचाने की व्यवस्था बनाई जाएगी, ताकि संबंधित अधिकारियों के स्तर पर समस्या उठाई जा सके। जरांगे ने समाज से एकजुट रहने और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए संगठित तरीके से काम करने की अपील की। उनका कहना था कि आंदोलन केवल भीड़ जुटाने तक सीमित न रहे, बल्कि गांव और घर स्तर तक सक्रिय कार्यकर्ताओं का नेटवर्क तैयार किया जाए।

भिवंडी में 11 एकड़ जमीन पर मलबे का अंबार NGT ने ठाणे कलेक्टर पर लगाया एक लाख रुपये का जुर्माना

संवाददाता
ठाणे। भिवंडी के काशेली और दिवे-अंजुर गांवों में करीब 10 से 11 एकड़ क्षेत्र में निर्माण एवं विध्वंस (C&D) कचरा फेंके जाने के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने कड़ा रुख अपनाया है। अधिकरण ने ठाणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) को जमा मलबे की वास्तविक मात्रा का आकलन करने और उसे हटाने के लिए 16 दिसंबर तक समयसीमा निर्धारित करने का निर्देश दिया है। वहीं, आदेशों का पालन नहीं करने और जवाब दाखिल नहीं करने पर ठाणे के जिला कलेक्टर पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। एनजीटी के न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. सुजीत कुमार बाजपेयी की पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। पीठ ने पाया कि संबंधित अधिकारियों ने कचरे की डंपिंग बंद होने का दावा तो किया, लेकिन पहले से जमा मलबे की मात्रा और उस हटाने की कोई निश्चित समयसीमा प्रस्तुत नहीं की।

ठाणे कलेक्टर के रवैये पर एनजीटी की कड़ी टिप्पणी
पर्यावरण संगठन जनशक्ति और एक अन्य आवेदक की याचिका पर सुनवाई करते हुए एनजीटी ने ठाणे जिला कलेक्टर के रवैये को गैर-जिम्मेदाराना बताया। पीठ ने टिप्पणी की कि दोनों गांवों पर अधिकार

क्षेत्र होने के बावजूद जिला कलेक्टर ने अधिकरण के निर्देशों का पालन नहीं किया और न ही अपना जवाब प्रस्तुत किया। इस पर अधिकरण ने कलेक्टर पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया। यह राशि एनजीटी बार एसोसिएशन (पश्चिमी क्षेत्र) को जमा कराने का निर्देश दिया गया है। साथ ही जिला कलेक्टर को दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने और अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से अथवा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है।
जिला परिषद CEO को बनाया जाए पक्षकार
एनजीटी ने ठाणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को भी मामले में पक्षकार बनाने का आदेश दिया है। अधिकरण ने निर्देश दिया कि संबंधित ग्राम पंचायतों को अवैध कचरा डंपिंग रोकने के लिए आवश्यक निर्देश दिए जाएं। साथ ही चार सप्ताह के भीतर नोटिस का जवाब प्रस्तुत किया जाए। जिला परिषद प्रशासन को जमा निर्माण मलबे की मात्रा का आकलन कर उसके निस्सारण की स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करनी होगी।
मैग्रोव, आर्द्रभूमि और खाड़ी क्षेत्र पर खतरा
याचिकाकर्ताओं के अनुसार, ठाणे जिले में कुल 12 स्थानों पर निर्माण एवं विध्वंस कचरा फेंके जाने का मामला सामने आया है। इनमें से 10 स्थान ठाणे

काशेली और दिवे-अंजुर में अवैध डंपिंग पर सख्त हुआ राष्ट्रीय हरित अधिकरण, जिला परिषद CEO को कचरे की मात्रा का आकलन कर हटाने की समयसीमा तय करने के निर्देश



महानगरपालिका की सीमा में आते हैं, जबकि दो स्थान काशेली ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्थित हैं। याचिका में दावा किया गया है कि इस अवैध डंपिंग से तटीय विनियमन क्षेत्र CRZ-I(A) और CRZ-I(B), मैग्रोव वनस्पति, आर्द्रभूमि तथा खाड़ी क्षेत्रों के पर्यावरण को नुकसान पहुंचने का खतरा है। प्रभावित क्षेत्र खारीगांव-कलवा से मुंब्रा-दिवा होते हुए उल्हास मुहाने तक फैला बताया गया है।

था, जिसमें महाराष्ट्र तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण (MCZMA), जिला कलेक्टर कार्यालय और मैग्रोव सेल के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। समिति को याचिकाकर्ताओं को पूर्व सूचना देकर संबंधित स्थानों का निरीक्षण करने और अपनी रिपोर्ट अधिकरण के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। समिति को पर्यावरण की बहाली तथा भविष्य में निर्माण प्रशासन, जिला परिषद और संबंधित ग्राम पंचायतों की जवाबदेही बढ़ गई है।
संयुक्त समिति करेगी स्थलों का निरीक्षण
इस मामले में एनजीटी ने 13 अगस्त को एक संयुक्त समिति का गठन किया

Tamil Nadu Approves ₹100 Crore for ‘Vetri 150’ Rural Employment Scheme

CHENNAI: The Tamil Nadu government has approved ‘Vetri 150’, a scheme offering 25 additional days of employment to vulnerable rural households that complete their annual entitlement of 125 days under the Viksit Bharat-Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin), or VB-G RAM G.

The government has accorded administrative sanction for the initiative and financial sanction of ₹100 crore for its implementation during 2026-27. The additional employment will be financed entirely through State funds, extending the annual work entitlement of eligible households to 150 days.

The decision advances an election promise made by the ruling Tamilaga Vettri Kazhagam ahead of the 2026 Assembly polls. Increasing guaranteed rural employment to 150 days featured in the party’s manifesto, and the initiative was announced in the TVK government’s maiden



Budget presented on August 5. According to a Government Order issued by the Rural Development and Panchayat Raj Department, the additional work will be available to registered households classified as vulnerable, after they exhaust the 125 days provided under VB-G RAM G. The eligible categories include households headed by women, single-woman households, households with persons with disabilities, and Scheduled Caste and Scheduled Tribe households.

Beneficiaries covered under the Scheduled Tribes and Other Tradi-

tional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006, have also been included among the vulnerable categories entitled to the additional employment.

Under VB-G RAM G, every registered rural household willing to undertake unskilled manual work is guaranteed 125 days of employment in a financial year. Expenditure under that programme is shared between the Union and State governments in a 60:40 ratio.

‘Vetri 150’ will operate as a State-funded extension for the specified categories. Eligibility for the extra 25 days is linked to completion of the existing entitlement, making exhaustion of the first 125 days a prerequisite for receiving employment under the new initiative.

The sanction establishes both the administrative approval and the initial financial provision for implementing the Budget announcement during the current financial year.

Mann Targets Amit Shah Over Drug Menace and Jhota Murder Case

CHANDIGARH: Punjab Chief Minister Bhagwant Singh Mann on Tuesday launched a sharp attack on the Bharatiya Janata Party (BJP) and Union Home Minister Amit Shah, accusing them of exploiting Punjab’s drug crisis and the grief of affected families for political gains.

Addressing the media, Mann questioned the Centre’s failure to curb drug trafficking and asked why the BJP had not taken effective action when it shared

power with the Shiromani Akali Dal in Punjab between 2007 and 2017. The Chief Minister said drug trafficking had become a serious problem during that period, yet the BJP failed to take decisive steps. He also questioned why a CBI investigation against former minister Bikram Singh Majithia had not been ordered despite repeated demands.

Mann further challenged the Union Home Minister over narcotics entering India through international



borders and ports. He referred to major drug seizures in Gujarat and questioned reports concerning 2,200 kilograms of heroin allegedly being explained away as consumed by rats.

Highlighting border security concerns, Mann said he had repeatedly requested the installation of anti-drone systems along Punjab’s 532-kilometre border with Pakistan.

He urged the Centre to strengthen surveillance and prevent cross-border smuggling. The Chief Minister also criticised the BJP over law-and-order conditions in Haryana and Rajasthan, alleging that gangster networks operating from these states were linked to serious criminal incidents.

Referring to Amit Shah’s visit to the family of murdered anti-drug activist Parvinder Singh Jhota, Mann urged the Home Minister to express genu-

ine sympathy rather than politicise the tragedy. He reiterated that the Punjab Government stood firmly with Jhota’s family and had already recommended a CBI investigation into the murder. Mann also recalled the farmers’ agitation against the three central farm laws, questioning why senior BJP leaders had not visited the families of farmers who died during the protests. Reaffirming his government’s commitment to eliminating drugs, Mann said the ongo-

ing Yudh Nashean Virudh campaign would be intensified. He claimed that thousands of drug traffickers had been arrested and their properties seized. The Chief Minister urged the Union Government to strengthen the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances (NDPS) Act to ensure stricter action against traffickers. He maintained that Punjab would continue its fight against drugs while demanding greater accountability from the Centre.

मुख्यमंत्र्यांच्या मुख्य सचिवांच्या नावाने बनावट आयडी, दोन ठगांना अटक

रायपूर: छत्तीसगड पोलिसांच्या ऑपरेशन सायबर शीलडअंतर्गत दोन वेगवेगळ्या प्रकरणांत उत्तर प्रदेशातील दोन सराईत ठगांना अटक करण्यात आली आहे. सोमवारी रायपूर रेंज सायबर पोलिसांनी ही कारवाई केली. फेसबुक, गुगल आणि व्हॉट्सअपवरील डेटासह तांत्रिक पुराव्यांच्या आधारे पोलिसांनी आरोपींना उत्तर प्रदेशातील हमीरपूर आणि कानपूर येथून अटक केली. यापैकी एका आरोपीने मुख्यमंत्री कार्यालयातील प्रमुख सचिव आणि वरिष्ठ आयएसएस अधिकारी सुबोध कुमार सिंह यांच्या नावाने फेसबुकवर बनावट आयडी तयार करून फसवणुकीचे जाळे विणले होते, तर दुसऱ्या आरोपीने शेअर ट्रेडिंगमध्ये मोठा नफा मिळवून देण्याचे आमिष दाखवून एका महिलेला 88 लाख रुपयांचा गंडा घातला होता. पहिल्या प्रकरणात तक्रारदार सुशांत पनका यांनी पोलिस ठाण्यात तक्रार दाखल केली होती की, एका अज्ञात व्यक्तीने वरिष्ठ आयएसएस अधिकारी सुबोध कुमार सिंह यांच्या नावाने फेसबुकवर बनावट आयडी तयार केली आहे.



यानंतर राखी पोलिसांनी भारतीय न्याय संहितेच्या कलम 319(2), 336(3) आणि माहिती तंत्रज्ञान कायद्याच्या कलम 66(सी) अंतर्गत गुन्हा दाखल करून तपास रायपूर येथील रेंज सायबर पोलिस ठाण्याकडे सोपवला. पोलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा यांच्या निर्देशानुसार ही संपूर्ण मोहीम राबवण्यात आली. पोलिस अधिकाऱ्यांच्या म्हणण्यानुसार, आयएसएस अधिकारी सुबोध कुमार सिंह यांच्या नावाने फेसबुकवर बनावट आयडी तयार केल्याची तक्रार मिळाल्यानंतर पोलिसांनी तातडीने तपास सुरू केला. फेसबुक, गुगल आणि मोबाइल सेवा पुरवठादार कंपन्यांकडून डेटा मागवून त्याचे सखोल तांत्रिक विश्लेषण करण्यात आले. त्यानंतर आरोपीचा माग काढून त्याला उत्तर

प्रदेशातून अटक करण्यात आली. पोलिसांनी दिलेल्या माहितीनुसार, अटक करण्यात आलेला अर्जुन कुमार जाटव हा आपल्या अन्य साथीदारांसह बनावट आयडी तयार करणे आणि फसवणूक करण्याच्या संघटित नेटवर्कमध्ये सहभागी होता. त्याच्या मोबाइल फोनची तपासणी करताना अनेक महत्त्वाच्या लोकप्रतिनिधी आणि वरिष्ठ अधिकाऱ्यांच्या नावाने बनावट फेसबुक आयडी तयार केल्याचे पुरावे आढळले आहेत. या प्रकरणांचा सविस्तर तपास सुरू आहे. तांत्रिक तपासादरम्यान फेसबुक, गुगल आणि मोबाइल सेवा पुरवठादारांकडून मिळालेल्या डेटाच्या विश्लेषणातून आरोपीचे लोकेशन हमीरपूर येथे असल्याचे स्पष्ट झाले. त्यानंतर पोलिसांनी अर्जुन कुमार जाटव, वडील मुन्नू कुमार, वय 23 वर्षे, रा. ग्राम पारा, तहसील मौदहा, हमीरपूर, उत्तर प्रदेश, याला अटक केली. तपासात आरोपी आपल्या साथीदारांसह बनावट फेसबुक आयडी तयार करण्याचा व्यवसाय करत असल्याचे समोर आले.

मणिपूरमधील हिंसाचारावर मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह कठोर

इंफाळ: मणिपूरचे मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह यांनी सोमवारी इंफाळ पूर्व जिल्ह्यातील नोंगशुम येथे सशस्त्र उपद्रवींनी नागरिकांची हत्या केल्याच्या घटनेचा तीव्र निषेध केला. राज्यातील संवेदनशील भागांमध्ये सुरक्षा व्यवस्था अधिक मजबूत करण्याचे निर्देश त्यांनी अधिकाऱ्यांना दिले. मुख्यमंत्री सचिवालयातील मंत्रिमंडळ सभागृहात आयोजित सुरक्षा आढावा बैठकीत युमनाम खेमचंद सिंह यांनी राज्यातील सध्याच्या कायदा आणि सुव्यवस्थेचा आढावा घेतला. या बैठकीला गृहमंत्री गोविंददास कोंथौजम, मुख्य सचिव, सुरक्षा सल्लागार, पोलिस महासंचालक, गृह आयुक्त तसेच लष्कर, आसाम रायफलस, केंद्रीय राखीव पोलिस दल, सीमा सुरक्षा दल आणि इतर सुरक्षा यंत्रणांचे वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित होते. यावेळी थौबल जिल्ह्यात रविवारी झालेल्या हिंसाचाराच्या घटनेवर तसेच इंफाळ पूर्व जिल्ह्यात सोमवारी झालेल्या हल्ल्यावर चर्चा करण्यात आली.

99 वेळा लॉन्चिंगच्या गुणवत्ता चाचणीत अपयशी ठरलेले राहुल गांधी भाजपची एक्सपायरी डेट सांगत आहेत: शिवराज सिंह

भोपाळ: केंद्रीय कृषिमंत्री शिवराज सिंह चौहान यांनी सोमवारी लोकसभेतील विरोधी पक्षनेते आणि काँग्रेस नेते राहुल गांधी यांच्या भाजपची राजकीय विदाई जवळ आल्याच्या वक्तव्यावर तीव्र प्रतिक्रिया दिली. राहुल गांधी यांच्या राजकीय लॉन्चिंगवर टीका करताना चौहान म्हणाले की, जे स्वतः 99 वेळा लॉन्चिंगच्या गुणवत्ता चाचणीत अपयशी ठरले, ते भाजपची एक्सपायरी डेट सांगत आहेत. केंद्रीय कृषिमंत्री शिवराज सिंह चौहान यांनी सोमवारी माध्यमांशी बोलताना राहुल गांधी यांच्यावर निशाणा साधला. त्यांनी या वक्तव्याचा व्हिडिओ आपल्या सोशल मीडिया खात्यावरही शेअर केला. भाजप हा केवळ राजकीय पक्ष नसून राष्ट्रीय पुनर्निर्माणाचा महायज्ञ असल्याचे त्यांनी म्हटले. गरीब कल्याणाच्या संकल्पासह पक्ष माता-भगिनी, युवक आणि शेतकऱ्यांना सक्षम करण्यासाठी काम करत असल्याचे त्यांनी सांगितले. पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांच्या नेतृत्वावर जनतेचा अढळ विश्वास असून ते लोकांच्या मनात स्थान मिळवून आहेत, असेही चौहान



म्हणाले. दरम्यान, राहुल गांधी यांनी 18 ऑक्टोबर रोजी गोव्यातील मडगाव येथे सभेला संबोधित करताना पंतप्रधान नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आणि मुख्य निवडणूक आयुक्त ज्ञानेश कुमार यांच्यावर टीका केली होती. त्यांनी आरोप केला होता की, मतचोरीची योजना पंतप्रधान तयार करतात, अमित शाह तिची अंमलबजावणी करतात आणि ज्ञानेश कुमार ती प्रत्यक्षात आणतात. या राजकीय हल्ल्यादरम्यान राहुल गांधी यांनी भाजपची ‘एक्सपायरी डेट’ जवळ आल्याचेही म्हटले होते. या वक्तव्याला उत्तर देताना शिवराज सिंह चौहान यांनी राहुल गांधी यांच्या राजकीय स्थितीवर टीका केली आणि भाजपच्या संघटनात्मक ताकदीचा तसेच नेतृत्वावरील जनतेच्या विश्वासाचा उल्लेख केला. राहुल गांधी यांच्या वक्तव्यावर प्रतिक्रिया देताना चौहान म्हणाले

की, असे ऐकून त्यांना हसू येते. त्यांनी आणीबाणीचा उल्लेख करत सांगितले की, यापूर्वीही अनेकांनी भाजपला संपवण्याचा विचार केला होता आणि देशाला तुर्कगुलान्यात बदलण्यात आले होते; मात्र जनतेने निवडणुकांमधून अशा प्रयत्नांना उत्तर दिले. भाजप यापुढेही देशाची सेवा करत राहील, असे त्यांनी सांगितले. माध्यमांशी बोलण्यापूर्वी शिवराज सिंह चौहान यांनी सोशल मीडियावर पोस्ट करून ‘रिजीम चेंज गॅंग’वर निशाणा साधला होता. आजचा भारत खोट्या कथनांनी दिशाभूल होत नाही, कटकारस्थानांमुळे धाबरत नाही आणि देशाला कमकुवत करणाऱ्या विचारांसमोर झुकत नाही, असे त्यांनी पोस्टमध्ये म्हटले. जनतेचा विश्वास केवळ प्रचार किंवा एखाद्या कथनामुळे निर्माण होत नाही, तर काम, संकल्प आणि नेतृत्वाच्या प्रामाणिकपणामुळे टिकून राहतो, असेही त्यांनी नमूद केले. पंतप्रधान मोदी यांच्या नेतृत्वाखाली आंतरराष्ट्रीय स्तरावर भारताचा मान-सन्मान वाढल्याचा उल्लेख करत त्यांनी विकसित आणि आत्मनिर्भर भारताच्या निर्मितीची भूमिका मांडली.

पोप लिओ यांचे झेलेन्स्की यांना आवाहन: ओलेशकीतील नागरिकांसाठी अन्न आणि वैद्यकीय मदत पोहोचवण्यावर भर

व्हॅटिकन सिटी: रशिया आणि युक्रेन यांच्यात सुरू असलेल्या संघर्षाच्या पार्श्वभूमीवर पोप लिओ यांनी युक्रेनचे राष्ट्राध्यक्ष वोलोदिमिर झेलेन्स्की यांच्याशी दूरध्वनीवरून चर्चा केली. या चर्चेदरम्यान त्यांनी रशियन सैन्याच्या ताब्यात असलेल्या ओलेशकी शहरातील नागरिकांना अन्नधान्य आणि वैद्यकीय मदत पोहोचवण्यासाठी सहकार्य करण्याचे आवाहन केले. तसेच, शहरात अडकलेल्या नागरिकांना स्वेच्छेने आणि सुरक्षितपणे बाहेर काढण्याची व्यवस्था करण्यावर त्यांनी विशेष

भर दिला. व्हॅटिकनने सोमवारी जारी केलेल्या निवेदानुसार, पोप लिओ आणि झेलेन्स्की यांच्यात 19 ऑक्टोबर रोजी ही चर्चा झाली. ओलेशकीमधील नागरिकांना भेडसावणाऱ्या गंभीर परिस्थितीवर दोन्ही नेत्यांनी लक्ष केंद्रित केले. संघर्षामुळे प्रभावित झालेल्या नागरिकांपर्यंत जीवनावश्यक वस्तू आणि औषधे पोहोचवण्यासाठी संबंधित पक्षांमध्ये सहकार्य आवश्यक असल्याचे पोप यांनी अधोरेखित केले. दोन्ही बाजूंमधील सहकार्यामुळे



शहरात अन्नधान्य आणि औषधांचा पुरवठा करणे शक्य होईल, तसेच तेथे अडकलेल्या सामान्य नागरिकांना सुरक्षित ठिकाणी

हलवण्याचा मार्ग मोकळा होईल, अशी आशा त्यांनी व्यक्त केली. झेलेन्स्की यांच्या कार्यालयाकडून या दूरध्वनी चर्चेबाबत तातडीने

कोणतेही निवेदन जारी करण्यात आले नाही. त्यामुळे चर्चेदरम्यान झालेल्या अन्य वृद्ध्यांबाबत किंवा पुढील भवतकार्याच्या संभाव्य आराखड्याबाबत अधिकृत माहिती समोर आलेली नाही. फेब्रुवारी 2022 पासून ओलेशकी शहरावर रशियन सैन्याचा ताबा आहे. रशिया आणि युक्रेन यांच्यातील संघर्ष दीर्घकाळ सुरू असल्याने या भागातील नागरिकांच्या अडचणी वाढत आहेत. शहरातील रहिवाशांनी अन्नधान्याची टंचाई अधिक गंभीर होत असल्याची माहिती दिली आहे.

अशा परिस्थितीत अन्न, पाणी, औषधे आणि इतर जीवनावश्यक वस्तूंचा नियमित पुरवठा सुनिश्चित करणे महत्त्वाचे ठरत आहे. संघर्षग्रस्त भागांमध्ये सामान्य नागरिकांना सुरक्षितपणे बाहेर काढणे हेही मोठे आव्हान आहे. त्यामुळे ओलेशकीमधील नागरिकांना मदत पोहोचवण्यासाठी आणि त्यांना सुरक्षित ठिकाणी हलवण्यासाठी मानवतावादी प्रयत्न अधिक तीव्र करण्याची गरज व्यक्त केली जात आहे. पोप लिओ यांनी यापूर्वी 16 ऑक्टोबर रोजी रशियाचे राष्ट्राध्यक्ष

व्लादिमीर पुतिन यांच्याशीही दूरध्वनीवरून चर्चा केली होती. त्या वेळी त्यांनी ओलेशकी शहरात मानवतावादी मदत पोहोचवता यावी, यासाठी युद्धविरामाची व्यवस्था करण्याचे आवाहन केले होते. क्रेमलिनने चर्चेनंतर जारी केलेल्या निवेदानात पुतिन यांनी शहरात मदत सामग्री पोहोचवण्यासाठी पोप यांच्याशी सहकार्य करण्यास सहमती दर्शवल्याचे म्हटले होते. मात्र, क्रेमलिनच्या निवेदानात युद्धविरामाचा स्पष्ट उल्लेख करण्यात आला नव्हता.

अरशद वारसी की 'जॉली एलएलबी 4' से होगी वापसी

बॉलीवुड की चर्चित फिल्म फ्रेंचाइजी 'जॉली एलएलबी' की चौथी किस्त की तैयारी शुरू हो गई है। इस बार निर्माता कहानी को आगे बढ़ाने के बजाय प्रीक्वल के रूप में पेश करने जा रहे हैं। फिल्म में अभिनेता अरशद वारसी एक बार फिर वकील जगदीश त्यागी उर्फ जॉली के किरदार में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है और इसकी शूटिंग जनवरी 2027 तक पूरी करने की योजना है। फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी



उमेश शुक्ला को सौंपी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। एक सूत्र ने बताया कि यह कहानी पिछली फिल्मों की अगली कड़ी नहीं, बल्कि प्रीक्वल होगी। इसके जरिए अरशद वारसी के लोकप्रिय किरदार जॉली की कहानी को नए अंदाज में दिखाया जाएगा। हालांकि, फिल्म की कहानी और अन्य कलाकारों को लेकर फिलहाल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। 'जॉली एलएलबी' फ्रेंचाइजी की शुरुआत 2013 में हुई

थी, जिसमें अरशद वारसी ने वकील जगदीश त्यागी की भूमिका निभाई थी। इसके दूसरे भाग में अक्षय कुमार ने जगदीश्वर मिश्रा उर्फ जॉली का किरदार निभाया, जबकि हुमा कुरैशी भी फिल्म का हिस्सा थीं। वर्ष 2025 में रिलीज हुई 'जॉली एलएलबी 3' में अरशद और अक्षय दोनों एक साथ नजर आए थे। अब चौथे भाग में अरशद की वापसी से प्रशंसकों को एक बार फिर उनके चर्चित अदालती अंदाज की झलक मिलने की उम्मीद है।



दीपिका और रणवीर ने किया बेटी के नाम का खुलासा

बॉलीवुड के चर्चित सितारे दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने दशहरे के मौके पर अपनी दूसरी बेटी का नाम सार्वजनिक किया है। दंपति ने सोशल मीडिया पर एक पारिवारिक तस्वीर शेयर करते हुए बताया कि उनकी नवजात बेटी का नाम 'देवी पादुकोण सिंह' रखा गया है। तस्वीर में रणवीर और दीपिका अपनी दोनों बेटियों दुआ और देवी के साथ नजर आ रहे हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा, प्यार और खुशियों से भरपूर... देवी पादुकोण सिंह। दीपिका और रणवीर की इस पोस्ट को प्रशंसकों का खूब प्यार मिल रहा है। तस्वीर में परिवार के इस खास पल की झलक देखने को मिलती है। दशहरे जैसे शुभ अवसर

पर बेटी के नाम की घोषणा ने इस खुशी को और खास बना दिया है। भारतीय संस्कृति में देवी शब्द शक्ति, गरिमा और दिव्यता का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में इस दिन नाम का खुलासा किए जाने को प्रशंसक भी खास नजरिए से देख रहे हैं। दीपिका और रणवीर ने नवंबर 2018 में शादी की थी। सितंबर 2024 में उनके घर पहली बेटी दुआ का जन्म हुआ था। अब दूसरी बेटी के आगमन से उनका परिवार और बड़ा हो गया है। दोनों कलाकार अक्सर अपनी निजी जिंदगी की झलक प्रशंसकों के साथ शेयर करते हैं। दूसरी बेटी के नाम की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें बधाइयां मिल रही है।

कलाकारों की सुरक्षा पर उठे सवाल, सुनील शेट्टी ने जताई चिंता

अभिनेता टाइगर श्राॅफ से जुड़ी फायरिंग की घटना ने फिल्म इंडस्ट्री में सुरक्षा को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है। इस मामले पर अभिनेता सुनील शेट्टी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं किसी के साथ भी हो सकती हैं और इन्हें किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जा सकता। समाचार एजेंसी बातचीत में सुनील शेट्टी ने टाइगर श्राॅफ को खेल और फिटनेस के प्रति समर्पित अभिनेता बताया। उन्होंने कहा कि अगर टाइगर जैसे व्यक्ति के साथ ऐसी घटना हो सकती है, तो दूसरे लोगों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता होना स्वाभाविक है। सुनील ने



कहा कि उन्हें खुशी है कि टाइगर सुरक्षित हैं और उम्मीद जताई कि पूरा मामला जल्द सामान्य हो जाएगा। सुनील शेट्टी ने जैकी श्राॅफ को अपना बचपन का दोस्त बताते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि

परिवार के लिए मुश्किल भरा यह समय जल्द खत्म हो। उन्होंने यह भी बताया कि घटना में ड्राइवर को चोट लगी थी और वह ठीक होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अभिनेता शरद केलकर ने इस

घटना को गलत और दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। उनका कहना है कि हिंसा की ऐसी घटनाएं किसी के साथ भी नहीं होनी चाहिए, चाहे वह फिल्मी दुनिया से जुड़ा व्यक्ति हो या आम नागरिक। शरद ने मुंबई पुलिस पर भरोसा जताते हुए कहा कि पुलिस ने मामले में तेजी से कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि उनकी जैकी श्राॅफ से बातचीत हुई थी और उन्हें जानकारी मिली कि टाइगर की हालत ठीक है। शरद को उम्मीद है कि पुलिस मामले की गहराई से जांच कर घटना के पीछे की वजहों का पता लगाएगी। अभिनेता दीपक पाराशर ने भी

कलाकारों को निशाना बनाए जाने पर चिंता जाहिर की। उन्होंने रोहित शेट्टी से जुड़ी घटना का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि आखिर फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को क्यों निशाना बनाया जा रहा है। दीपक के मुताबिक, कलाकारों का काम दर्शकों का मनोरंजन करना और उनके चेहरों पर मुस्कान लाना है। ऐसे में उनके खिलाफ हिंसा या डर पैदा करने वाली घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। इस मामले के बाद फिल्म जगत में कलाकारों और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत पर फिर चर्चा शुरू हो गई है।

पैरों में खिंचाव और बेचैनी से टूटती है नींद? जानें क्या है RLS

कई लोगों को रात में बिस्तर पर लेटते ही पैरों में अजीब सी बेचैनी होने लगती है? कभी पैरों में खिंचाव, झुनझुनाहट या कुछ रेंगने जैसा महसूस होता है और पैर को इधर-उधर चलाने के बाद ही थोड़ा आराम मिलता है? अगर ऐसा बार-बार होता है, तो इसे सिर्फ थकान समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम (RLS) की वजह से हो सकता है। यह एक स्लीप डिसऑर्डर है, जिसमें आराम करते समय पैरों को चलाने की इच्छा होने लगती है।

क्या है रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम?

रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम में व्यक्ति को पैरों में ऐसी बेचैनी महसूस होती है, जिससे नींद नहीं आती है। इसे कम करने के लिए पैर चलाने, स्ट्रेच करने या उठकर चलने का मन करता है। इसके लक्षण आमतौर पर आराम करने पर और खासकर शाम



या रात में ज्यादा महसूस होते हैं। पैर चलाने से कुछ समय के लिए राहत मिलती है।

पैरों में कैसी परेशानी महसूस होती है?

इस समस्या से जूझ रहे व्यक्ति के लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं। कुछ लोगों को पैरों में खिंचाव या दर्द महसूस होता है, तो कुछ को खुजली, जलन, धड़कन या कुछ रेंगने जैसा महसूस होता है। कई बार यह बेचैनी दोनों पैरों में महसूस होती है, तो कई बार केवल एक पैर में।

रात में ही क्यों बढ़ जाती है बेचैनी?

रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम के लक्षण आमतौर पर तब बढ़ते हैं, जब व्यक्ति लंबे समय तक आराम कर रहा होता है। इसलिए बिस्तर पर लेटने या लंबे समय तक बैठने के दौरान पैरों को चलाने की इच्छा होती है। यह परेशानी नींद आने या पूरी रात सोए रहने में भी समस्या पैदा कर सकती है।

इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं?

रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम का एक

निश्चित कारण हर मामले में पता नहीं होता। इसका कारण आयरन, जेनेटिक कारण और दिमाग में डोपामिन का प्रभाव हो सकता है। आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया, किडनी की बीमारी और प्रेनेंसी जैसी स्थितियां भी कुछ लोगों में RLS से जुड़ी हो सकती हैं। कुछ दवाइयां भी इसका कारण हो सकती हैं।

राहत के लिए क्या कर सकते हैं?

नियमित एक्सरसाइज, सोने से पहले पैरों की स्ट्रेचिंग, गर्म पानी में पैर डुबोना और पर्याप्त नींद लेने से आराम मिल सकता है। सोने से पहले कैफीन और शराब से बचने की सलाह भी दी जाती है। अगर पैरों की बेचैनी बार-बार हो रही है, नींद प्रभावित हो रही है या दिन में थकान और नींद आने लगी है, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है। इसके बारे में सटीक रूप से पता लगाने के लिए जांच जरूरी है।

ग्रीन वॉलनट खाने का तरीका और इसके पोषण संबंधी फायदे

अखरोट आपने कई बार खाया होगा और इसके पोषक गुणों के बारे में भी सुना होगा, लेकिन क्या आपने कभी ग्रीन वॉलनट यानी कच्चा या अधपका अखरोट देखा है? सामान्य तौर पर अखरोट को पूरी तरह पकने और सूखने के बाद खाया जाता है, जबकि ग्रीन वॉलनट को इसके पूरी तरह पकने से पहले ही पेड़ से तोड़ लिया जाता है। बाहर से हरे छिलके वाला यह अखरोट दिखने में सामान्य अखरोट से काफी अलग होता है। इसकी गिरी नरम, मलाईदार और स्वाद में हल्की कसैली होती है। इसमें नमी की मात्रा भी अधिक होती है, इसलिए यह पूरी तरह पके और सूखे अखरोट की तुलना में जल्दी खराब हो सकता है। ग्रीन वॉलनट सिर्फ अपने अलग रूप और स्वाद के लिए ही नहीं, बल्कि इसमें मौजूद पोषक तत्वों के कारण भी खास माना जाता है। इसमें पॉलीफेनॉल, एंटीऑक्सीडेंट और कई अन्य बायोएक्टिव कंपाउंड पाए जाते हैं, जो शरीर को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने



में भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा, अखरोट में पाए जाने वाले ओमेगा-3 फैटी एसिड और दूसरे पोषक तत्व दिल की सेहत के लिहाज से भी उपयोगी माने जाते हैं। हालांकि, कच्चे और पके अखरोट की पोषण संरचना में अंतर हो सकता है। ग्रीन वॉलनट का इस्तेमाल कई जगह अचार, मिठाइयों और पारंपरिक खाद्य पदार्थों में भी किया जाता है। आइए जानते हैं कि ग्रीन वॉलनट क्या है, इसमें कौन-कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं और इसे खाने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है

ग्रीन वॉलनट में कई तरह के

पोषण से है भरपूर

ग्रीन वॉलनट में फैटी एसिड, विटामिन, मिनरल और दूसरे बायोएक्टिव कंपाउंड पाए जाते हैं। 2024 की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि इसमें पोषण भरपूर मात्रा में होता है।

इसे कैसे खाएं?

ग्रीन वॉलनट को कई जगह अचार, मिठाइयों और दूसरे पारंपरिक खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल किया जाता है। इसे खाने से पहले देखना जरूरी है कि फल खाने योग्य हो और अच्छी तरह साफ किया गया हो। इसके हरे छिलके को बिना जानकारी के सीधे खाने या घरेलू औषधि की तरह इस्तेमाल न करें।

बता दें कि फ्रेश हरे अखरोट तब तोड़े जाते हैं, जब उनका बाहरी छिलका भी फ्रेश होता है और अंदरूनी छिलका अभी भी नरम होता है। इस अवस्था में अखरोट में नमी अधिक होती है और अखरोट की गिरी नरम, मलाईदार और स्वाद में हल्की होती है, लेकिन यह बहुत जल्दी खराब हो जाता है।

डायबिटीज में कौन-से फल खाना है बेहतर? जानें 5 विकल्प

अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं या आपका ब्लड शुगर लेवल बढ़ने का खतरा रहता है, तो आपने अक्सर लोगों को यह कहते सुना होगा कि मीठे फल खाने से बचना चाहिए। इसी वजह से कई लोग अपनी डाइट से फलों को पूरी तरह हटा देते हैं। हालांकि, ऐसा करना जरूरी नहीं है। फल शरीर को जरूरी पोषक तत्व देने के साथ-साथ सेहत को बेहतर बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

फलों में नेचुरल शुगर यानी फ्रूक्टोज के अलावा फाइबर, विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं, जो शरीर के सामान्य कामकाज के लिए जरूरी होते हैं। इसलिए डायबिटीज होने पर फल खाना पूरी तरह बंद करने के बजाय सही फल चुनना, उनकी मात्रा का ध्यान रखना और उन्हें खाने का तरीका समझना अधिक जरूरी है।

खास बात यह है कि साबुत फल आमतौर पर फलों का जूस पीने से बेहतर विकल्प माने जाते हैं। दरअसल, जब आप अमरूद, सेब, नाशपाती या संतरे जैसे फलों को साबुत खाते हैं, तो उनसे मिलने वाला फाइबर पाचन प्रक्रिया को धीमा करने और पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में मदद करता है। इसके विपरीत, जूस बनाने के दौरान फाइबर की मात्रा कम हो सकती है और एक गिलास जूस में कई फलों का रस आसानी से शामिल हो जाता है। इससे कम समय में अधिक मात्रा में प्राकृतिक शुगर और कार्बोहाइड्रेट शरीर में



पहुंच सकते हैं, जिसका असर ब्लड शुगर लेवल पर पड़ सकता है। हालांकि, हर फल का प्रभाव एक जैसा नहीं होता और यह उसकी मात्रा, पकने की स्थिति तथा व्यक्ति की सेहत पर भी निर्भर करता है। ऐसे में अगर आप ब्लड शुगर को संतुलित बनाए रखना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में फाइबर से भरपूर साबुत फलों को सीमित और संतुलित मात्रा में शामिल कर सकते हैं। अमरूद, सेब, नाशपाती, बेरीज और संतरा जैसे फल अच्छे विकल्प हो सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि कोई भी फल

ब्लड शुगर न बढ़ने की गारंटी नहीं देता। डायबिटीज के मरीजों के लिए फल की मात्रा, पूरे दिन के भोजन में कार्बोहाइड्रेट का संतुलन और डॉक्टर या डाइटिशियन की सलाह का पालन करना भी जरूरी है। आइए जानते हैं ऐसे कौन-से फल हैं, जिन्हें सही मात्रा में खाने से आप अपनी डाइट को बेहतर बना सकते हैं और ब्लड शुगर मैनेज करने में मदद पा सकते हैं।

अमरूद

अमरूद फाइबर वाला फल है और इसे साबुत खाने पर पेट भी ज्यादा देर तक

भरा हुआ महसूस होता है। डायबिटीज या ब्लड शुगर की चिंता करने वाले लोग इसे अपनी डाइट में एक लिमिट में शामिल कर सकते हैं।

सेब को छिलके के साथ खाएं

सेब में फाइबर होता है और इसे साबुत खाना जूस पीने से बेहतर है। अगर आप ब्लड शुगर मैनेज कर रहे हैं तो छोटे आकार का पूरा सेब स्नैक के तौर पर खाया जा सकता है।

नाशपाती भी है अच्छा ऑप्शन

नाशपाती में फाइबर पाया जाता है और इसे साबुत फल की तरह खना चाहिए। इसे काटकर या इसका जूस निकालकर खाने के बजाय पूरा फल खाने से फाइबर का फायदा मिलता है।

बेरीज को भी कर सकते हैं शामिल

स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी और ब्लैकबेरी जैसे फलों को भी डाइट में शामिल किया जा सकता है। अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन ताजे, प्रोजन या बिना शुगर वाले फलों को बेहतर विकल्प मानता है।

संतरा खाएं, जूस नहीं

संतरा भी फल के रूप में खाया जा सकता है, लेकिन इसका जूस पीने से बचना चाहिए। साबुत फल में मौजूद फाइबर पाचन को धीमा करता है, जबकि जूस आसानी से ज्यादा मात्रा में पी लिया जाता है और उसमें फाइबर कम हो सकता है और शुगर की मात्रा अधिक होती है।

फल खाते समय इन बातों का रखें ध्यान

ब्लड शुगर कंट्रोल में रहना शरीर की फंक्शनिंग के लिए जरूरी है। फल हेल्दी होने के बावजूद इनमें कार्बोहाइड्रेट और नेचुरल शुगर होती है। इसलिए फलों की मात्रा का ध्यान रखना जरूरी है। अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन के अनुसार, एक छोटा साबुत फल या लगभग आधा कप फल में सामान्य तौर पर करीब 15 ग्राम कार्बोहाइड्रेट होता है, लेकिन सभी फलों में यह मात्रा समान नहीं होती है। ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखने लिए एक हेल्दी डायबिटीज डाइट का ख्याल रखना अधिक जरूरी है।

रामलीला मंच पर फूहड़ नृत्य का आरोप कमेटी पदाधिकारियों समेत कलाकारों पर मुकदमा

संवाददाता
उन्नाव, उत्तर प्रदेश। बदायूं। बिल्सी कस्बे में गोशाला मेला श्री रामलीला महोत्सव के दौरान रामलीला मंच पर कथित फूहड़ नृत्य कराए जाने के मामले में पुलिस ने रामलीला कमेटी के अध्यक्ष, मेला अध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों, सदस्यों और कलाकारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। मेला अध्यक्ष भाजपा के नगर अध्यक्ष भी बताए गए हैं। शिकायतकर्ता उमेश बाबू वार्णेंय ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि रामलीला महोत्सव के लिए प्रशासन से अनुमति ली गई थी और अनुमति की शर्तों में नृत्य आदि पर रोक थी। इसके बावजूद कमेटी के पदाधिकारियों और अन्य संबंधित लोगों ने कथित तौर पर शर्तों का उल्लंघन किया। शिकायत में कहा गया है कि मंच पर भगवान श्रीराम और हनुमान जी के चित्र लगे होने के बावजूद वहां कथित फूहड़ नृत्य कराया गया, जिससे धार्मिक



भावनाएं आहत हुईं और स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष संजीव वार्णेंय, मेला अध्यक्ष एवं भाजपा नगर अध्यक्ष आदित्य माहेश्वरी और पदाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण गुप्ता ने आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि मंच पर नृत्य करने वाले किन्नर थे, जो नेग मांगने आए थे और उसी दौरान उन्होंने नृत्य किया। आयोजकों का दावा है कि कमेटी ने

जानबूझकर ऐसा कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं कराया। सीओ अलोक सिद्ध ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच की जा रही है। पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 196, 296, 299 और 302 के तहत रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस अब अनुमति की शर्तों, उपलब्ध वीडियो और संबंधित लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

'समाजवाद ही रामराज्य है', अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला, AI वीडियो में रावण दिखाने का लगाया आरोप

संवाददाता
लखनऊ, उत्तर प्रदेश। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दशहरे के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) तकनीक का इस्तेमाल कर उन्हें रावण के रूप में दिखाने वाला वीडियो जारी किया है। इसके साथ ही उन्होंने समाजवाद और रामराज्य को एक-दूसरे का पर्याय बताते हुए अपने राजनीतिक विचारों को सामने रखा। पत्रकारों से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा कि दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और यह पर्व समाज को अन्याय तथा बुराई के खिलाफ संघर्ष करने की प्रेरणा देता है।

'समाजवाद ही रामराज्य और रामराज्य ही समाजवाद'

अखिलेश यादव ने कहा- समाजवाद ही असल में रामराज्य है और रामराज्य ही समाजवाद है। जो लोग दोनों में विश्वास रखते हैं, वे ही सच्चे सनातनी हैं। उन्होंने कहा कि सच्चा सनातनी वही है, जो समाज और दुनिया की भलाई के लिए काम करता है। वहीं, दूसरों का अहित करने वालों को उन्होंने 'नकली सनातनी' बताया। सपा प्रमुख ने समाजवाद को सामाजिक समानता, न्याय और जनकल्याण से जोड़ते हुए कहा कि रामराज्य की अवधारणा भी लोगों के कल्याण पर आधारित है।

दशहरे पर सपा प्रमुख ने कहा— बुराई के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देता है यह पर्व, राजनीतिक दुष्प्रचार के लिए एआई के इस्तेमाल पर उठाए सवाल



भाजपा पर एआई के दुरुपयोग का आरोप

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा ने दशहरे की सुबह एक एआई-जनरेटेड वीडियो जारी किया, जिसमें उन्हें रावण के रूप में प्रस्तुत किया गया। उन्होंने इसे राजनीतिक दुष्प्रचार बताते हुए कहा कि नई तकनीक का इस्तेमाल समाज की प्रगति और जनहित के लिए होना चाहिए, न कि राजनीतिक विरोधियों की छवि खराब करने के लिए। हालांकि, कथित वीडियो की प्रामाणिकता और उसे जारी करने वाले आधिकारिक स्रोत की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

सोशल मीडिया पर एआई वीडियो को लेकर बढ़ती राजनीतिक बहस

उत्तर प्रदेश की राजनीति में सोशल मीडिया प्रचार और एआई तकनीक के इस्तेमाल

को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। एआई की मदद से तैयार तस्वीरों, वीडियो और अन्य डिजिटल सामग्री के माध्यम से राजनीतिक संदेश देने के साथ-साथ विरोधियों पर निशाना साधने की प्रवृत्ति पर बहस हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस प्रकार की सामग्री में वास्तविक और कृत्रिम रूप से तैयार दृश्यों के बीच अंतर स्पष्ट होना जरूरी है, ताकि लोगों को भ्रामक जानकारी से बचाया जा सके। अखिलेश यादव के आरोपों के बाद राजनीतिक प्रचार में एआई तकनीक के इस्तेमाल और उसकी मर्यादा का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। दशहरे के अवसर पर दिए गए इस बयान में अखिलेश यादव ने जहां समाजवाद को रामराज्य की अवधारणा से जोड़ा, वहीं भाजपा पर एआई तकनीक के जरिए राजनीतिक दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया।

मध्यप्रदेश पुलिस में 18,500 पदों पर होगी भर्ती, विजयादशमी पर मुख्यमंत्री मोहन यादव का बड़ा ऐलान

संवाददाता
इंदौर, मध्य प्रदेश। विजयादशमी के अवसर पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिस विभाग में 18,500 पदों पर भर्ती करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आगामी दो वर्षों में पुलिस विभाग के रिक्त पदों को भरने की दिशा में काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री इंदौर की जिला पुलिस लाइन में आयोजित शस्त्र पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां कालका की पूजा-अर्चना की। उन्होंने पारंपरिक तलवार, भाले और आधुनिक एके-47 सहित विभिन्न अस्त्र-शस्त्रों का विधि-विधान से पूजन किया। इसके साथ ही पुलिस वाहनों और अश्वों का पूजन कर शस्त्रागार का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कन्या पाद पूजन किया, जबकि महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें गाई ऑफ ऑनर दिया।

पुलिसकर्मियों की चुप्पी पर मुख्यमंत्री ने ली चुटकी

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पुलिस भर्ती की घोषणा की, लेकिन मैदान में उपस्थित पुलिसकर्मी शांत बैठे रहे। इस पर मुख्यमंत्री ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि पुलिस बिना आदेश के तालियां भी नहीं बजाती। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि पुलिस में लाठी और ताली, दोनों के लिए आदेश की आवश्यकता पड़ती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस का अनुशासन उसकी सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक है, लेकिन बेहतर कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहन और सम्मान मिलना भी जरूरी है।

प्रदेश के विभिन्न विभागों में 85 हजार पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया

मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस विभाग में 18,500 पदों पर भर्ती का निर्णय लिया



गया है। इसके अलावा प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों में कुल 85 हजार पदों पर नियुक्तियों की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने आगामी वर्ष को युवा उपलब्ध करवाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने इंदौर लोक सेवा आयोग के माध्यम से विशेष परीक्षा आयोजित करने की बात भी कही। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के प्रत्येक जिले में पुलिस बैंड विकसित करने की योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि इसके लिए 750 पदों पर भर्ती की जाएगी।

इंदौर पुलिस के 'पुलिस सेतु' ऐप का शुभारंभ

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर पुलिस द्वारा विकसित 'पुलिस सेतु' ऐप का शुभारंभ किया। इस ऐप के माध्यम से नागरिक अपने स्थान के आधार पर संबंधित पुलिस थाने, इष्टी पर तैनात अधिकारियों और आवश्यक संपर्क संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीक का उपयोग पुलिस और आम नागरिकों के बीच संवाद को बेहतर बनाने तथा पुलिस सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सड़क सुरक्षा के लिए 51 दोपहिया वाहन रवाना

मुख्यमंत्री ने यातायात प्रबंधन, सड़क सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत

बनाने के उद्देश्य से उपलब्ध कराए गए 51 दोपहिया वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन एक संस्थान द्वारा 'ट्रेफिक सेफ सिटी' परियोजना के अंतर्गत उपलब्ध कराए गए हैं। मुख्यमंत्री ने इंदौर पुलिस द्वारा नागरिक सुरक्षा और बेहतर पुलिसिंग के लिए किए जा रहे नवाचारों की सराहना की। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि विजयादशमी अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि शस्त्र पूजन केवल शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि नागरिकों की रक्षा करने, समाज के कष्ट दूर करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दायित्व का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने चौबीसों घंटे नागरिकों की सुरक्षा में जुटे पुलिसकर्मियों के समर्पण की सराहना करते हुए उनके परिवारों के योगदान को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने महिला पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता की प्रशंसा करते हुए कहा कि बेटियां हर कार्य में जिम्मेदारी को पूरी कुशलता और सामर्थ्य के साथ निभाने में सक्षम हैं। समारोह में पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में 1,721 पुलिसकर्मियों को पदोन्नति दी गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर के पुलिस विभाग में 27,500 से अधिक पदोन्नतियां हुई हैं।

21 गांवों में निकलेगी 'लोक मंगल यात्रा'

संवाददाता
उन्नाव, उत्तर प्रदेश। क्षेत्र में संस्कार, शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राष्ट्रोत्थान गुरुकुल ने अनूठी पहल शुरू की है। गुरुकुल की ओर से 21 गांवों में 'लोक मंगल यात्रा' का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा का उद्देश्य गांव-गांव तक संस्कार, शिक्षा और स्वास्थ्य का संदेश पहुंचाना तथा ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और जरूरतों को समझना है। गांव तमोरिया बुजुर्ग में गुरुकुल प्रमुख आचार्य योगेश ने कहा कि गुरुकुल केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए मार्गदर्शन और प्रेरणा का केंद्र है। उन्होंने कहा, "गुरुकुल की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि लोक मंगल यात्रा के माध्यम से समाज जागरण, स्वास्थ्य जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएंगे। यात्रा के दौरान ग्रामीणों से संवाद कर स्थानीय समस्याओं की जानकारी ली जाएगी और क्षेत्र के विकास के लिए एक रोडमैप तैयार करने का प्रयास किया जाएगा।

मेरठ में इको और स्विफ्ट की भीषण टक्कर तीन लोगों की मौत



संवाददाता
मेरठ, उत्तर प्रदेश। खरखोदा बाईपास पर इको कार और स्विफ्ट कार की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में थाना भावनपुर क्षेत्र के जेई निवासी इसरत, मोमिन और शाहब की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए और इको कार सड़क पर करीब तीन बार पलट गई। इस हादसे में इको कार के चालक का हाथ कटकर अलग हो गया। वहीं दो बच्चों की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

शिवा शर्मा हत्याकांड की मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे नागपुर से गिरफ्तार, बुर्के और टैक्सी से बदल रही थी ठिकाने

संवाददाता
लखनऊ, उत्तर प्रदेश। हजरतगंज थाना क्षेत्र के चर्चित शिवा शर्मा मौत मामले में फरार चल रही मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे को पुलिस ने 11 दिन की तलाश के बाद नागपुर से गिरफ्तार कर लिया है। उसके साथ उसकी बहन रश्मि दुबे और चालक दानिशा को भी पकड़ा गया है। तीनों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार, श्रद्धा को नागपुर के वर्धा रोड स्थित चिंच भवन इलाके से गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई यूपी एसटीएफ की वाराणसी यूनिट, लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट और नागपुर पुलिस के संयुक्त प्रयास से की गई। नागपुर क्राइम ब्रांच के डीसीपी दीपक अग्रवाल ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश के अनुसार, फरारी के दौरान श्रद्धा पुलिस से बचने के लिए बुर्का पहनकर रहती थी, टैक्सियों का इस्तेमाल करती थी और किसी एक स्थान पर ज्यादा देर नहीं रुकती थी। लगातार लोकेशन बदलने के कारण उसकी गिरफ्तारी में समय लगा। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान कानपुर नंबर की एक गाड़ी के बारे में जानकारी मिली थी, जिसमें श्रद्धा, रश्मि और दानिशा के घूमने की बात सामने आई। इसके बाद तकनीकी निगरानी और आईपी एड्रेस से जुड़ी जानकारी के आधार पर पुलिस आरोपियों की नागपुर में मौजूदगी तक पहुंची। पुलिस के मुताबिक, श्रद्धा नागपुर से भी आगे निकलने की कोशिश में थी, लेकिन संयुक्त टीम ने उससे पहले ही तीनों को



पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद सामने आए एक वीडियो में श्रद्धा गाड़ी की आगे की सीट पर बैठने की बात करती दिखाई दी, जबकि पुलिसकर्मियों ने उसे पीछे बैठाया। पुलिस के अनुसार, 9 अक्टूबर 2026 को हजरतगंज थाने में रंजना शर्मा की तहरीर पर मुकदमा संख्या 216/2026 दर्ज किया गया था। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत केस दर्ज किया गया है। जांच के दौरान यह दावा भी सामने आया कि फरारी के दौरान श्रद्धा लखनऊ से सीतापुर और बहराइच के रास्ते नेपाल गई थी तथा 18 अक्टूबर को वापस उत्तर प्रदेश लौटी थी। पुलिस अब उसकी फरारी के दौरान मदद करने वाले लोगों और एडीजी अमिताभ यश ने बताया कि तीनों आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ

लाकर अदालत में पेश करने की प्रक्रिया जारी है। इसके बाद उनसे शिवा शर्मा की मौत से जुड़े घटनाक्रम को लेकर विस्तार से पूछताछ की जाएगी। इससे पहले श्रद्धा दुबे ने एक वीडियो और इंटरव्यू में हत्या के आरोपों से इनकार करते हुए दावा किया था कि शिवा शर्मा ने उसकी आंखों के सामने इमारत की चौथी मंजिल से छलांग लगाई थी। पुलिस ने उसके इस दावे को अभी अंतिम रूप से स्वीकार नहीं किया है और मामले की जांच जारी है। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी में देरी के बीच शासन स्तर पर पुलिस महकमे में भी कार्रवाई की गई थी। हजरतगंज इंस्पेक्टर विक्रम सिंह को लाइन हाजिर किया गया, डीसीपी मध्य विक्रांत वीर को पद से हटाकर मुख्यालय से संबद्ध किया गया और एसीपी हजरतगंज रजनीश वर्मा का भी तबादला किया गया था।

मूर्ति विसर्जन के बाद तालाब में नहाते समय तीन किशोर डूबे, मौत



संवाददाता
फतेहपुर, उत्तर प्रदेश। मूर्ति विसर्जन के दौरान मंगलवार को तालाब में नहाते समय गहराई में चले जाने से तीन किशोरों की डूबकर मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में मातम छा गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी है। खागा कोतवाली क्षेत्र के बैजूपुर उर्फ खुशियारीपुर मंजरे कोटेशन गांव के लोग मूर्ति विसर्जन के लिए गांव के किनारे स्थित तालाब पहुंचे थे। विसर्जन के बाद ग्रामीण तालाब में स्नान करने लगे। इसी दौरान गांव के आदित्य (16), राजन (17) और अभिमन्यु (17) समेत दो अन्य लड़के गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। ग्रामीणों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया और किसी तरह सभी को बाहर निकाला। आदित्य, राजन और अभिमन्यु की हालत गंभीर होने पर उन्हें सीएचसी हस्दो ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। सीओ रवि सिंह ने बताया कि गांव से मूर्तियों को विसर्जन के लिए नौबस्ता घाट ले जाया जाना था, लेकिन ग्रामीण उन्हें तालाब पर लेकर चले गए। वहीं यह हादसा हो गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

विजयादशमी पर योगी आदित्यनाथ का संदेश— 'देश सुरक्षित तो धर्म सुरक्षित, समाज की एकता सबसे जरूरी'

संवाददाता
गोरखपुर, उत्तर प्रदेश। विजयादशमी के पावन अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के तत्वावधान में आयोजित भव्य विजय शोभायात्रा कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने भारत की एकता, सनातन परंपरा, सामाजिक समरसता और भगवान श्रीराम के आदर्शों पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा और समाज की एकता सर्वोपरि है। कोई व्यक्ति, समाज या जाति तब तक सुरक्षित नहीं हो सकती, जब तक भारत सुरक्षित नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, "याद रखना होगा कि देश है तो धर्म है और धर्म है तो हम सब भी हैं। कोई व्यक्ति, समाज या जाति तब तक सुरक्षित नहीं है, जब तक भारत सुरक्षित नहीं है। इसी तरह जब तक सनातन सुरक्षित नहीं है, कोई सुरक्षित नहीं है।"

योगी ने कहा कि कुछ राजनीतिक ताकतों ने अयोध्या और रामभक्तों को लेकर पहले अलग रख अपनाया था और अब वही लोग राम का नाम ले रहे हैं। उन्होंने रामायण के कालनेमि प्रसंग का उल्लेख करते हुए लोगों से सही और गलत की पहचान करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने विजयादशमी और रामलीला को सामाजिक समरसता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि रामलीला में कोई भी भूमिका निभाता है। इसमें समाज के हर वर्ग की सहभागिता होती है और यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। उन्होंने कहा कि जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश देश की एकता को कमजोर करती है। योगी ने कहा कि जब भारत कमजोर होता है तो उसके धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था केंद्र भी कमजोर होते हैं सुन्नी, ईसाई समुदायों और विभिन्न वैचारिक

समूहों के बीच संघर्ष देखने को मिलते हैं। इसके विपरीत भारत अपनी विविधता के बावजूद एकता और सहअस्तित्व की परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत को कमजोर करने वाली ताकतें देश की सांस्कृतिक और धार्मिक उपलब्धियों को स्वीकार नहीं कर पातीं। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और दीपोत्सव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन उपलब्धियों को लेकर भी दुष्प्रचार और भ्रम फैलाने की कोशिश की जाती रही है। योगी ने कहा कि कुछ राजनीतिक ताकतों ने अयोध्या और रामभक्तों को लेकर पहले अलग रख अपनाया था और अब वही लोग राम का नाम ले रहे हैं। उन्होंने रामायण के कालनेमि प्रसंग का उल्लेख करते हुए लोगों से सही और गलत की पहचान करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने विजयादशमी और रामलीला को सामाजिक समरसता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि रामलीला में कोई भी भूमिका निभाता है। इसमें समाज के हर वर्ग की सहभागिता होती है और यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। उन्होंने कहा कि जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश देश की एकता को कमजोर करती है। योगी ने कहा कि जब भारत कमजोर होता है तो उसके धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था केंद्र भी कमजोर होते हैं तथा सामाजिक संरचना पर इसका प्रतिकूल

गोरखनाथ मंदिर की विजय शोभायात्रा में बोले मुख्यमंत्री, सनातन परंपरा, सामाजिक समरसता और भगवान श्रीराम के आदर्शों पर दिया जोर



प्रभाव पड़ता है। मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम की मर्यादा और आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि हजारों वर्ष बीत जाने के बाद भी उनके वचन, कर्म और जीवन मूल्य आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि श्रीराम ने अन्याय और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष करते हुए मर्यादा, धर्म, न्याय और समरसता का आदर्श स्थापित किया। योगी ने कहा कि इतिहास में अनेक सभ्यताएं और शक्तियां आईं और चली गईं, लेकिन भगवान श्रीराम की परंपरा और अयोध्या आज भी जीवंत है। उन्होंने कहा कि श्रीराम के आदर्श आज भी मानवता को न्याय, मर्यादा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विजयादशमी केवल धार्मिक

पर्व नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत को जोड़ने वाला उत्सव है। यह अच्छाई की बुराई पर विजय, सत्य की असत्य पर जीत और न्याय की अन्याय पर विजय का संदेश देता है। गोरखनाथ मंदिर की परंपरा के अनुसार विजयादशमी के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इसमें भाग लिया। कार्यक्रम में जब श्रीराम और हर-हर महादेव के उद्घोष के बीच उत्साहपूर्ण वातावरण रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों से सामाजिक एकता, धार्मिक सद्भाव और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत की शक्ति उसकी सनातन परंपरा, विविधता और सामाजिक समरसता में निहित है।